WWW.NAVPRADESH.COM

दैनिक

नव प्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर... 2 | देश विदेश 4 | अभिव्यक्ति 5 | आस-पास 7 | खेल/ बिजनेस

RNI NO - MPHIN/2020 /81503 जबलपुर, बुधवार 5 नवंबर 2025 , शुक्ल पक्ष- पूर्णिमा , विक्रम संवत -2082 , वर्ष -5 अंक - 93 पृष्ठ -08 मूल्य-4 रूपए जबलपुर, भोपाल, रायपुर, बिलासपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

सीएम यादव के मौलिक चिंतन और कल्पनाशीलता से स्थापना दिवस समारोह को मिला अभिनव स्वरूप

अभ्युदय मध्यप्रदेश आयोजन के तीन दिन जनता के लिए रहे आनंददायी

मुख्यमंत्री की पहल पर पहली बार हुआ तीन दिवसीय समारोह

मध्यप्रदेश स्थापना की 70वीं वर्षगांठ बनी यादगार

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर स्थापना दिवस पर एक दिन के स्थान पर तीन दिवसीय समारोह हुआ, जिसकी सभी जगह सराहना की जा रही है। भोपाल का लाल परेड ग्राउंड तीन दिन तक अनेक सांस्कृतिक आयोजनों का केन्द्र बना, जिसमें राजधानी के नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पूर्व राज्यपाल श्री कप्तान सिंह सोलंकी, विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों के जनप्रतिनिधि, राज्य मंत्रि-मंडल मंडल के सदस्य, सांसद और विधायक भी अभ्युदय मध्यप्रदेश में शामिल हुए।

मध्यप्रदेश के गठन 01 नवम्बर 1956 से अब तक राज्य स्थापना के समारोह भिन्न-भिन्न स्वरूप में होते रहे हैं। समारोह की गतिविधियां राज्य मंत्रालय स्थित वल्लभ भाई पटेल उद्यान और पुराने रवीन्द्र भवन तक सीमित रहती थीं। गत दशक में लाल परेड में सांस्कृतिक आयोजन की शुरूआत जरूर हुई, लेकिन एक दिवसीय कार्यक्रम होने से राजधानी के बहुत से नागरिक इसका आनंद लेने से वंचित रह जाते थे। वर्ष 2025 प्रदेश स्थापना दिवस के यादगार कार्यक्रमों के लिए जाना जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य स्तरीय समारोह को नया स्वरूप देने का निर्णय लिया। समारोह का स्वरूप निर्धारित करते समय प्रदेश की गौरवशाली विभूतियों की जानकारी नागरिकों को देने का विचार महत्वपूर्ण था। सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन, शौर्य, न्याय और दानशीलता के गुणों ने इतिहास में स्थान बनाया है। उन्होंने विक्रम संवत्सर प्रारंभ किया। सम्राट विक्रमादित्य के योगदान से प्रदेश के नागरिक मंचीय प्रस्तुति और मीडिया के सभी माध्यमों द्वारा परिचित भी हुए।

गायन, अभिनय और नृत्य की सभी ने की सराहना

एक नवम्बर को अभ्युदय मध्यप्रदेश के अंतर्गत जहां प्रसिद्ध गायक जुबिन नौटियाल ने गीत-संगीत के सुर बिखेरे, वहीं ऐतिहासिक ड्रोन शो भी हुआ। इसी दिन विश्ववंद कार्यक्रम के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की संगीतमय जीवन यात्रा को सैकड़ों कलाकारों ने मंच पर प्रस्तुत किया। दो और तीन नवम्बर को सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य ने दर्शकों को सम्मोहित किया। पहली बार निरंतर दो दिन लाल परेड ग्राउंड पर महानाट्य की प्रस्तुति ने प्रदेश के सांस्कृतिक जगत में नया इतिहास बनाया है।

ड्रोन-शो में आकाश पर आकर्षक आकृतियों ने दर्शकों का मोह लिया मन

मध्यप्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट) की महत्वपूर्ण भूमिका ड्रोन-शो के माध्यम से पहली बार उभरकर आयी। यह विज्ञान और संस्कृति का संगम था। विरासत से विकास पर केन्द्रित यह ड्रोन-शो दर्शकों को महाकाल मंदिर, सिंहस्थ की झलकियों और आकाश पर अंकित की गई अन्य स्मारकों, श्रद्धा स्थलों की आकृतियों से अद्भुत आनंद की अनुभूति करवाने वाला शो बन गया। ड्रोन-शो ने नागरिकों का मन मोहने का कार्य किया।

कलाकारों का परिश्रम और हुनर दिखा मंच पर

अभ्युदय मध्यप्रदेश में लगभग एक हजार कलाकारों की सहभागिता रही। %विश्ववंद% की प्रस्तुति, सुगम संगीत, समूह नृत्य और महानाट्य में मंच पर प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले कलाकारों का परिश्रम और हुनर उनके दीर्घ अभ्यास के प्रमाण प्रस्तुत करने वाला रहा मंच के परे योगदान देने वाले, रूप सज्जा करने वाले सहयोगियों, मंच सज्जा करने वाले तकनीकी सहयोगियों और ध्वनि और प्रकाश से जुड़े कार्यों का संयोजन करने वाले कलाकारों का सृजन सभी प्रस्तुतियों में जान डालने वाला सिद्ध हुआ। निर्देशन से जुड़े कलाधर्मी पूरे कार्यक्रम को यादगार बनाने का संकल्प लेकर कार्य कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य की प्रस्तुति में सहयोगी विशाला, सांस्कृतिक एवं लोकहित समिति के श्री संजीव मालवीय, श्री राजेश कुशवाह और अन्य कलाकारों की भूमिका की प्रशंसा की।

मेरा भोला है भंडारी पर झूमा भोपाल का जन-जन, आंचलिक संस्कृति के दिखे रंग

अभ्युदय मध्यप्रदेश के समारोह में न सिर्फ मुम्बई के जुबिन नौटियाल बल्कि चंडीगढ़ से आये हंसराज रघुवंशी ने भी समा बांधा। हंसराज हंस के गाये भजन मेरा भोला है भंडारी पर भोपाल का जन-जन झूम उठा। प्रदेश की बहुआयामी आंचलिक संस्कृति मटकी नृत्य, निमाड़ी जनजीवन के काव्य प्रसंग-गणगौर और विंध्याचल के अहिराई लाठी नृत्य के माध्यम से सामने आयी। बुंदेलखंड अंचल में मांगलिक अवसरों और तीज-त्यौहारों पर होने वाले बधाई नृत्य के साथ ही महाकौशल अंचल से आये गोण्ड जनजातीय कलाकारों ने नृत्य के कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अभ्युदय मध्यप्रदेश के तीसरे दिन युवा गायिका स्नेहा शंकर ने भी सुमधुर गायन प्रस्तुत किया।

विजन डॉक्यूमेंट आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का बनेगा रोडमैप

अभ्युदय मध्यप्रदेश के अंतर्गत प्रदेश को 2.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाले राज्य के रूप में स्थापित करने के लक्ष्य को केन्द्र में रखकर बनाए गए विजन डॉक्यूमेंट मध्यप्रदेशञ्च2047 एक महत्वपूर्ण कदम रहा। विजन डॉक्यूमेंट के विमोचन ने अभ्युदय मध्यप्रदेश का महत्व बढ़ा दिया। यह विजन डॉक्यूमेंट प्रदेश की अब तक की सबसे वृहद जनभागीदारी का प्रमाण भी है। प्रदेश के लगभग 4 लाख नागरिकों जिनमें विद्यार्थी, विषय-विशेषज्ञ, उद्योगपति, सामाजिक कार्यकर्ता और अन्य लोगों ने उपयोगी सुझाव देकर इस डॉक्यूमेंट की रचना में अहम योगदान दिया है। यह डॉक्यूमेंट प्रदेश की सामूहिक दृष्टि का प्रतिबिंब बनेगा। जनआकांक्षाओं की अभिव्यक्ति और उनकी पूर्ति की दिशा में विजन डॉक्यूमेंट आर्थिक विकास, प्रदेश के विभिन्न अंचलों की विशेषताओं के अनुरूप ■ शेष पृष्ठ 6 पर

संस्कार से ही जीवन में आता है बदलाव : सीएम यादव

मुख्यमंत्री ने बीएपीएस के दो बड़े शिक्षा प्रकल्पों का किया शुभारंभ

इंटीग्रेटेड पर्सनालिटी डेवलपमेंट कोर्स आईपीडीसी का हुआ एमओयू

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संस्कार से ही जीवन में बदलाव आता है। हमारी सनातन संस्कृति अद्भुत है। भारत को सदैव विश्व गुरू के रूप में दुनिया देखती आई है। भारत में ही अंधेरे से प्रकाश की ओर ले जाने की समस्त संभावनाएं निहित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बीएपीएस संस्था के वैश्विक प्रयासों की सराह करते हुए कहा कि अबूधाबी में बना भव्य बीएपीएस हिंदू मंदिर अद्भुत है। उनके प्रमुख महंत का जबलपुर का होना हम सभी प्रदेशवासियों के लिये गौरव की बात है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को जबलपुर में बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था द्वारा आयोजित जीवन उत्कर्ष महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महोत्सव में बीएपीएस के 2 पाठयक्रम चलो बनें आदर्श और इंटीग्रेटेड पर्सनालिटी डेवलपमेंट कोर्स (आईपीडीसी) का शुभारंभ किया। इन पाठयक्रमों का उद्देश्य स्कूली बच्चों और युवाओं को संस्कार और जीवन मूल्यों की शिक्षा देना है। महोत्सव में मंगलायन यूनिवर्सिटी और रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर्स ने कोर्स से संबंधित एमओयू का आदान-प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवालयों में दिव्य कल्पनाओं को साकार होते देखा जा सकता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि बीएपीएस जैसी संस्थाएं हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। मुख्यामंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वामीनारायण संस्था दुनिया को पहचानने और स्वयं को जानने के लिये आम व्यक्ति का प्रशंसनीय मार्गदर्शन कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बीएपीएस का ÷परिवर्तन की यात्रा÷ का मध्यप्रदेश से शुभारंभ करने के लिए ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आज बेबाक

अमेरिका के बहकावे में आकर पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से पंगा मोल लेकर अपनी स्थिति धोबी के कुत्ते की तरह कर ली है जो घर का रहता है न घाट का। अफगानिस्तान के साथ पाकिस्तान ने मुस्लिम देशों के दबाव में आकर सीजफायर तो कर लिया है लेकिन यह कभी भी टूट सकता है। इस बीच रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने एलान किया है कि यदि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर हमला किया तो रूस अफगानिस्तान का साथ देगा। मतलब पाकिस्तान दो पाटों के बीच पीसकर साबूत नहीं बचेगा। एक पाकिस्तान के टुकड़े कई होंगे कोई इधर गिरेगा, कोई उधर गिरेगा।

आईएएनएस-मैटराइज सर्वे

बिहार में पीएम मोदी की लोकप्रियता का असर तय, 63 प्रतिशत लोगों की मुहर

नई दिल्ली (आईएएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के लिए मंगलवार को प्रचार थम जाएगा। राज्य में पहले चरण के लिए 121 सीटों पर 6 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। इसी बीच बिहार चुनाव को लेकर आईएएनएस-मैटराइज सर्वे के आंकड़े भी सामने आ चुके हैं। सर्वे के मुताबिक, बिहार में एक बार फिर से राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार बना सकती है। राज्य की 243 सीटों में से एनडीए को 153-164 सीटें मिल सकती हैं। जबकि, इंडी गठबंधन को 76-87 सीटें मिलने का अनुमान है। इसके अलावा, आईएएनएस-मैटराइज सर्वे में बिहार की जनता से कई सवाल पूछे गए हैं। बिहार विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का कितना प्रभाव पड़ेगा? इस सवाल के जवाब में 63 प्रतिशत लोगों ने माना कि पीएम मोदी की लोकप्रियता का इस चुनाव में बड़ा असर पड़ेगा। सर्वे के आंकड़ों के अनुसार, 8 प्रतिशत लोगों ने माना कि पीएम मोदी की लोकप्रियता का राज्य के □ शेष पृष्ठ 6 पर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में खड़ी मालगाड़ी से टकराई पैसेंजर ट्रेन: 8 की मौत

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में मंगलवार को कोरबा पैसेंजर ट्रेन और एक मालगाड़ी के बीच जोरदार टक्कर हुई। बिलासपुर कलेक्टर संजय अग्रवाल ने 8 लोगों की मौत की पुष्टि की है। वहीं 16-17 लोग घायल हैं। इनमें बच्चे भी शामिल हैं। हादसा गटौरा स्टेशन के लाल खदान के पास हुआ है। CPRO विपुल कुमार ने बताया कि घायल यात्रियों का इलाज रेलवे अस्पताल, सिम्स और अपोलो में जारी है। रेलवे और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं। रेस्क्यू टीम ने अब तक कई यात्रियों को बोगी से सुरक्षित निकाल लिया है। पैसेंजर ट्रेन की बोगी को गैस कटर से काटा जा रहा है। बोगी में 2 लोग फंसे हुए हैं, जिन्हें निकाला जाएगा। वहीं कोरबा से बिलासपुर रूट पर ट्रेनों का संचालन ठप कर दिया गया है।

आजाद हिंद एक्सप्रेस, हीराकुंड एक्सप्रेस, बिलासपुर-टाटा एक्सप्रेस, अमरकंटक एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों का समय 4-5 घंटे देरी से चल रहा है। रेलवे ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख और घायलों को 5 लाख मुआवजे का ■ शेष पृष्ठ 6 पर

सुप्रीम कोर्ट ने ऑनलाइन गेमिंग कानून पर केंद्र से मांगा जवाब

■ 26 नवंबर को अगली सुनवाई

नई दिल्ली(आईएएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने ऑनलाइन गेमिंग कानून पर केंद्र सरकार से विस्तृत जवाब मांगा है। कई याचिकाओं में इस कानून को चुनौती दी गई है। यह कानून ऑनलाइन जुए और उनसे जुड़ी बैंकिंग सेवाओं व विज्ञापनों पर रोक लगाता है। अब मामला 26 नवंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार से उन याचिकाओं पर विस्तृत जवाब दाखिल करने को कहा, जिनमें उस ऑनलाइन गेमिंग कानून को चुनौती दी गई है जो ऑनलाइन जुए वाले गेम पर रोक लगाता है और उनसे जुड़ी बैंकिंग सेवाओं व विज्ञापनों को भी प्रतिबंधित करता है। जस्टिस जे.बी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच को बताया गया कि केंद्र ने इन याचिकाओं में किए गए अनुरोध पर अपना जवाब दाखिल कर दिया है।

बेंच ने कहा, हम चाहते हैं कि केंद्र सरकार की ओर से हाजिर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) मुख्य याचिका पर ही विस्तृत जवाब दाखिल करें। शीर्ष □ शेष पृष्ठ 6 पर

वोट चोरी जनता के खिलाफ बहुत बड़ी साजिश : प्रियंका

सहरसा (वार्ता) कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बिहार में 65 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे जाने को बहुत बड़ी साजिश बताते हुए सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार लोगों के अधिकार छीन रही है।

वाड्रा ने सहरसा जिले के सोनबरसा में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि वोट कटने का मतलब सिर्फ मतदान से वंचित होना नहीं है, बल्कि यह नागरिकता रद्द होने के समान है, जिससे लोग पेंशन, मनरेगा जैसी सरकारी योजनाओं से भी वंचित हो जाएंगे। उन्होंने जनता दल यूनाईटेड (जदयू)-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर हमला करते हुये कहा कि बिहार में शिक्षा व्यवस्था ठप हो गई है, स्वास्थ्य सेवाएं चरमराई हुई हैं, पेपर लीक हो रहे हैं, भ्रष्टाचार और महंगाई चरम पर है। जनता बेरोजगारी और पलायन का दंश झेल रही है। युवाओं को बिहार में रोजगार नहीं मिल रहा, इसलिए वे काम की तलाश में राज्य से बाहर जाने को मजबूर हैं। आज खेती से भी कमाई नहीं हो रही है, मेहनत के बावजूद किसानों को फसल का सही दाम नहीं मिलता।

कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के बड़े-बड़े उद्योग अपने उद्योगपति दोस्तों को दे दिए। बिहार की हजारों एकड़ जमीन अडानी को एक रुपये प्रति एकड़ में दी गई, इसी तरह उद्योगपतियों के हजारों करोड़ रुपये के ऋण माफ कर

बॉल गर्ल से वर्ल्ड कप तक - क्रांति

बुंदेलखंड की धूल भरी गलियों में जहां लड़कियाँ खेलों से ज्यादा सपनों में सीमित कर दी जाती हैं, वहीं एक छोटी सी लड़की ने अपने हौंसलों से इतिहास रच दिया है। वो लड़की जो कभी क्रिकेट मैदान में बॉल उठाया करती थी आज क्रिकेट के मैदान में भारत के लिये विकेट चटका रही है।

बॉल उठाने से लेकर विश्व विजेता बनने तक का सफर

छतरपुर जिले के छोटे से गाँव घुवारा के एक सामान्य परिवार में जन्मी क्रांति गौड़ आर्थिक तंगी और सामाजिक बंदिशों के बीच पली-बढ़ी। इस बेटी का सपना था - अपने देश के लिए खेलना। बचपन में जब गाँव में टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट होते थे, तो क्रांति वहाँ ÷बॉल गर्ल÷ बनकर गेंद उठाया करती थी। किसी ने सोचा नहीं था कि यह लड़की एक दिन भारत की विश्व विजेता टीम का हिस्सा बनेगी।

मुश्किलों से टकराने वाली बेटी

क्रांति के पिता एक पुलिसकर्मी थे। 2012 में नौकरी छूटने से परिवार पर आर्थिक संकट आ गया। घर की हालत ऐसी थी कि क्रांति को कक्षा 8 के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी, पर उसने हार न मानते हुए बैट और बॉल को अपना भविष्य बना लिया। वर्ष 2017 में क्रान्ति ने साई क्रिकेट एकेडमी, छतरपुर में कोच राजीव बिल्थारे की देखरेख में ट्रेनिंग शुरू की। कोच ने उसकी प्रतिभा पहचानी, फीस माफ की और खेल सामग्री से लेकर रहने की व्यवस्था तक खुद की।

गाँव की मिट्टी से अन्तर्राष्ट्रीय मंच तक

धीरे-धीरे क्रांति ने टेनिस बॉल क्रिकेट से लेकर लेदर बॉल क्रिकेट तक का सफर तय किया। वर्ष 2023-24 में उसने मध्यप्रदेश की सीनियर टीम में जगह बनाई और अगले ही सीजन में अपने शानदार प्रदर्शन से एमपी को पहला घरेलू वनडे खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। उनकी काबिलियत देखकर ङ्कक्क-2025 की नीलामी में क्क ङ्कड्डह्लद्बशह्ल5 टीम ने उन्हें 10 लाख रुपये में खरीदा। इसके बाद उन्होंने भारतीय टीम में जगह बनाई और श्रीलंका में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया। इंग्लैंड दौरे में उन्होंने इतिहास रचा 6 विकेट मात्र 52 रन लिये और इतिहास रचते हुए भारत को बड़ी जीत दिलाई।

भारत की विश्व विजेता ङ्क मध्यप्रदेश की क्रांति

वर्ष 2025 के आईसीसी महिला वर्ल्ड कप में भारत ने 47 साल बाद विश्व खिताब जीता और इस ऐतिहासिक जीत में क्रांति गौड़ का योगदान निर्णायक रहा। उनके शानदार प्रदर्शन पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 1 करोड़ रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की है। क्रांति आज हजारों बेटियों के लिए मिसाल बन चुकी हैं। उनकी कहानी बताती है कि अगर हौसले बुलंद हों तो कोई सपना छोटा नहीं होता।÷ उन्होंने साबित किया कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी हों, मेहनत और विश्वास से ■ शेष पृष्ठ 6 पर

सिम्स में जूनियर को धमकाने और प्रताड़ित करने का मामला

प्रबंधन ने 25 छात्रों को किया निष्कासित, एक पर एक साल का प्रतिबंध

बिलासपुर /नवप्रदेश। सिम्स मेडिकल कॉलेज में आए दिन अनुशासनहीनता करने वाले छात्रों को हॉस्टल से निष्काषित किया गया है। सिम्स में जूनियर को धमकाने और प्रताड़ित करने के मामले में 25 छात्रों पर निष्कासन की कार्रवाई की गई है। जूनियर छात्रों की शिकायत पर डीन डॉ. रमणेश मूर्ति ने एक्शन लिया है। छात्रों की शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए 21 अक्टूबर को छात्रावास प्रबंधन समिति की बैठक बुलाई गई थी। बैठक में माना कि अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो बड़ी घटना हो सकती है। इसके बाद 25 छात्रों को अलग-अलग अवधि के लिए निष्कासित किया गया है। ये सभी स्टूडेंट्स एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के हैं। जिन्हें हास्टल से 3 व 6 माह के लिए निष्कासित कर दिया है।

अनुशासनहीनता के लिए निष्कासित : छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) के छात्रावास प्रबंधन समिति ने एमबीबीएस द्वितीय वर्ष बैच 2024 के छात्रों को छात्रावास नियमों के उल्लघंन व अनुशासनहीनता के लिए निष्कासित कर दिया है। इसमें पहली बार के साथ ही दूसरी बार भी अनुशासनहीनता में संलिप्ता पाने पर कार्रवाई की गई है। समिति ने छात्रों के कृत्यों को गंभीरता से लिया है। बताया जा रहा है कि दीपावली त्योहर और उससे पहले छात्रों के द्वारा छात्रावास परिसर में हंगामा किया गया है, वहीं कई छात्र नियमों को अनदेखा कर प्रबंधन को कड़ी चुनौती दे रहे थे। जिस पर प्रबंधन का रवैया सामने आया है।

राजद-कांग्रेस आई, तो रंगदारी और कट्टा ही देखने को मिलेगा

❒ जनता एनडीए के विकास के साथ खड़ी है

पटना (आईएएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने महागठबंधन पर निशाना साधते हुए राजद-कांग्रेस की सत्ता को 'रंगदारी' और 'कट्टा' करार दिया है। भाजपा सांसद ने कहा कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव से लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तक सभी महिला विरोधी हैं। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान ठाकुर ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर राजद-कांग्रेस की सरकार आ गई, तो यहां सिर्फ रंगदारी और कट्टा ही देखने को मिलेगा। लेकिन बिहार की जनता कभी ऐसा नहीं होने देगी। जनता एनडीए के विकास के साथ। पूरे बिहार में एक ही आवाज गूंज रही है 'रफ्तार पकड़ चुका बिहार, फिर एक बार एनडीए सरकार।'

शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम हो रहा

ठाकुर ने कहा कि बिहार के हर गांव में सड़कें बन रही हैं, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम हो रहा है। अब नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने महिलाओं के बैंक खातों में 10,000 रुपए ट्रांसफर करना भी शुरू कर दिया है। लेकिन, महागठबंधन के लोग इसका विरोध कर रहे हैं, उन्हें बर्दाश्त नहीं हो रहा है कि महिलाओं का सम्मान किया जाए। भाजपा सांसद ने महागठबंधन के नेताओं द्वारा चुनाव आयोग से इस 10,000 रुपए के लाभ को रोकने की मांग का जिक्र करते हुए तंज कसा।

नेपाल के रिश्तेदार, बंगाल की नौकरी और बिहार का पता...

पटना/किशनगंज/अररिया। 'यह एक ऐसा जिला है जहां कई परिवार तीन हकीकतों में उलझे रहते हैं– नेपाल के रिश्तेदार, बंगाल की नौकरी और बिहार का पता। दस्तावेज अक्सर बिखरे हुए होते हैं। इस साल जब बीएलओ और अधिकारियों ने अतिरिक्त सत्यापन शुरू किया, तो जानकारी से ज़्यादा अफवाहें फैलीं। इस बार किसी का नाम कट गया तो–गलगलिया में बार-बार यही वाक्य सुनाई देता था। लेकिन खुदा का शुक्र है कि कुछ बुरा नहीं हुआ।' गलगलिया में एक जूते की दुकान चलाने वाले मोहम्मद इस्लामुद्दीन (55) ने बताया।

स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि बिहार में मतदाता सूची के भारत निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्ढक्र) में किशनगंज या अररिया में एक भी विदेशी मतदाता नहीं मिला। किशनगंज के एक ओर नेपाल है, तथा दूसरी ओर उत्तर बंगाल का चाय क्षेत्र है, तथा अररिया की सीमा नेपाल से लगती है। ऐसा माना जा रहा था कि नेपाल और बांग्लादेश से आए कुछ लोग इन दोनों जिलों की मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने में सफल हो गए होंगे।

अररिया में नहीं मिले विदेशी वोटर

अररिया के जिला मजिस्ट्रेट अनिल कुमार ने भी कहा कि मतदाता सूची में किसी भी विदेशी मूल के व्यक्ति का नाम नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमने लगभग 1.4 लाख मतदाताओं के नाम अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत (एएसडी)' कॉलम से हटा दिए हैं और सभी राजनीतिक दलों को इसकी पूरी जानकारी दे दी गई है।'

सतर्कता का डर नहीं, नौकरशाही का डर

निवासी सतर्कता का विरोध नहीं करते - लेकिन नौकरशाही की प्रतिक्रिया से डरते हैं। अनुपमा ठाकुर ने कहा कि जब सीमा पर जांच होती है तो व्यापार प्रभावित होता है। ठाकुरगंज निवासी बच्च राज (35) ने कहा कि लोगों की मांग सीधी-सी है: सुरक्षा को दक्षता के साथ जोड़ें। 'हर बार जब बाड़ के उस पार कोई डर हो, तो व्यापार बंद न करें। और, अनावश्यक सांप्रदायिक दहशत न फैलाएं। SIR को लेकर बहुत ज्यादा प्रचार किया गया था।'

किशनगंज जिले के गलगलिया ब्लॉक की ग्राम प्रधान अनुपमा ठाकुर ने बताया कि विदेशी नागरिकों के मतदाता सूची में शामिल होने और चुनावों को प्रभावित करने का मुद्दा बेवजह तूल दिया गया।

किशनगंज में नहीं मिला एक भी विदेशी वोटर

लेकिन किशनगंज के जिला मजिस्ट्रेट विशाल राज ने कहा कि एसआईआर के दौरान, संदिग्ध विदेशी मूल का कोई भी मतदाता नहीं मिला। उन्होंने कहा, 'हमने कुछ मतदाताओं को संदिग्ध निवास के आधार पर नोटिस जारी किए। उनसे अपनी नागरिकता साबित करने के लिए वैध दस्तावेज दिखाने को कहा गया और उन्होंने संबंधित अधिकारियों के सामने अपने दस्तावेज पेश भी किए।'

उन्होंने आगे बताया कि नेपाल से आई कुछ नवविवाहित दुल्हनों को छोड़कर, उनके इलाके में सभी के पास वैध पहचान पत्र थे। ठाकुरगंज विधानसभा क्षेत्र में स्ढ्ढक्र कोई मुद्दा नहीं है क्योंकि गलगलिया जैसे ब्लॉक सिर्फ सीमावर्ती भूगोल ही नहीं, बल्कि सीमावर्ती अर्थव्यवस्था भी हैं। ट्रक, मिनी-टेम्पो, पिक-अप वैन, बाइक–इस पट्टी में आवाजाही कोई दिखावटी काम नहीं है। यह रोजी-रोटी का सवाल है।

किशनगंज की समस्या समझिए

समस्या का एक कारण यह है कि किशनगंज के कई लोग उत्तर बंगाल के चाय बागानों में काम करते हैं। किशनगंज के एक चाय की दुकान चलाने वाले मोहम्मद हाफिज़ (45) ने कहा, 'युवाओं, खासकर डिप्लोमा धारकों और इंटरमीडिएट पास लड़कों के लिए, स्थानीय श्रम बाजार पहाड़ों के साथ सिकुड़ता जा रहा है। यहां नौकरी कोई नारा नहीं है। नौकरी सचमुच सीमा के खुले या बंद होने के बीच का अंतर है।'

किशनगंज में बाढ़ बड़ा मुद्दा

किशनगंज के एक पुस्तक विक्रेता मोहम्मद मिंतुल्लाह ने कहा, पूरे किशनगंज जिले में एसआईआर से भी अधिक गंभीर मुद्दे हैं। महानंदा और कनकई (नदियां) बार-बार हमारी छोटी-छोटी सड़कों को नुकसान पहुंचाती रही हैं, तटबंधों को निगलती रही हैं और हमारी नसों को झकझोरती रही हैं। हर मानसून में, ठाकुरगंज और पोठिया ब्लॉक में यही दहशत फैल जाती है। यहां के ग्रामीण बड़ी परियोजनाओं की मांग भी नहीं कर रहे हैं। वे पानी बढ़ने से पहले बाढ़ निरोधक काम की मांग कर रहे हैं, जैसे पत्थर गाड़ना, बांधों को मजबूत करना, दरारों को रोकना। उन्होंने कहा कि यहां के लोग चाहते हैं कि सरकार तटबंधों पर अभी काम करे, न कि नतीजों के बाद।

राजद-कांग्रेस ने गरीबों के हक पर डकैती डाली

गरीबों के हक पर डकैती डालने वाला, पशुओं का चारा डकारने वाले ये लोग कभी बिहार का हित नहीं कर सकते

पटना(आईएएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के प्रचार के अंतिम दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समस्तीपुर के मोहिउद्दीननगर में विपक्ष पर ऐसा तीखा प्रहार किया कि सभा में 'जय श्री राम' के नारे गूंज उठे। बीजेपी प्रत्याशी राजेश कुमार सिंह के समर्थन में आयोजित जनसभा में सीएम योगी ने राजद-कांग्रेस गठबंधन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि गरीबों के हक पर डकैती डालने वाला, पशुओं का चारा डकारने वाले ये लोग कभी बिहार का हित नहीं कर सकते। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब बिहार में कांग्रेस और राजद की सरकारें थीं, तब सड़क और बिजली नहीं थी। गरीब के पास मकान, शौचालय और राशन नहीं था। उन्होंने बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि यह गरीबों को क्या राशन देते, क्योंकि वे खुद पशुओं का चारा खा गए। उन्होंने राम मंदिर के विषय पर भी राजद-कांग्रेस पर तीखा हमला किया। कांग्रेस-राजद के लोग रामद्रोही हैं। इन पार्टियों ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण को रोकने का पाप किया था। राजद ने राम मंदिर के लिए निकली रथयात्रा को रोका था। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट में भगवान राम को काल्पनिक बताया।

न लालू प्रसाद का बेटा मुख्यमंत्री बनेगा, न सोनिया गांधी का बेटा प्रधानमंत्री : अमित शाह

दरभंगा(आईएएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लालू प्रसाद और सोनिया गांधी का नाम लेते हुए 'परिवारवाद' पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जो नेता अपने बेटा-बेटी को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं, वे युवा, गरीबों, किसानों और जीविका दीदी की चिंता नहीं कर सकते हैं। दरभंगा के जाले विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, "लालू-राबड़ी अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं और सोनिया गांधी अपने बेटे को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं। मैं दोनों को कहना चाहता हूं कि न लालू-राबड़ी का बेटा मुख्यमंत्री बनेगा, न सोनिया गांधी का बेटा प्रधानमंत्री।" उन्होंने आगे कहा, "बिहार में नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने हुए हैं और दिल्ली में नरेंद्र मोदी जी प्रधानमंत्री बने हुए हैं। इन लोगों के लिए कुर्सी खाली नहीं है। दोनों जगह कोई वैकेंसी खाली नहीं है।"

"जो नेता अपने बेटा-बेटी को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं, क्या वे जाले के युवाओं की चिंता कर सकते हैं? क्या वे जीविका दीदी, किसान, गरीब और मछुआरा की चिंता कर सकते हैं? इन सभी लोगों की चिंता सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार कर सकते हैं।"

केंद्रीय गृह मंत्री ने लालू प्रसाद पर लगे घोटालों की लिस्ट गिनाई। उन्होंने कहा, ÷लालू जी ने भी काफी कुछ किया है। चारा घोटाला किया, लैंड फॉर जॉब स्कैम किया, होटल बेचने का घोटाला, अलकतरा घोटाला किया, बाढ़ राहत घोटाला किया, भर्ती घोटाला किया और एबी एक्सपोर्ट का घोटाला किया। लालू-राबड़ी ने इतने घोटाले किए और कांग्रेस ने 12 लाख करोड़ के घपले-घोटाले किए हैं। ये बिहार का भला कर सकते है।

सीएम कौन होगा, बांग्लादेश के लोग तय नहीं कर सकते

अमित शाह ने राहुल गांधी की 'बिहार यात्रा' पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, "जाले में राहुल गांधी ने 'घुसपैठिया बचाओ' यात्रा निकाली। मैं कहना चाहता हूं कि देश में जितनी भी 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' निकालनी है, निकाल लो, हम घुसपैठियों को देश से बाहर निकालने का काम करेंगे। बिहार का मुख्यमंत्री कौन होगा, ये सिर्फ यहां के लोग तय कर सकते हैं, बांग्लादेश के लोग तय नहीं कर सकते हैं।"

बिहार में बने गोले से देंगे पाकिस्तान को जवाब : अमित शाह

अमित शाह ने कहा कि पहलगाम में आतंकियों ने निर्दोष लोगों को मार दिया। मोदी जी ने आपरेशन सिंदूर करके आतंकवादियों का सफाया किया। बिहार में बने तोप के गोले से आतंकवादियों को जवाब देने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार बनने के बाद किसानों को छह की जगह नौ हजार रुपये दिए जाएंगे। दरभंगा समेत चार एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय बनाने का काम किया जाएगा। एक करोड़ 17 लाख माताओं को उज्जवला योजना का सिलेंडर देने का काम किया है। बिहार में मखाना बोर्ड की स्थापना की है। 36 हजार करोड़ से कोसी के पानी को किसानों के खेत तक पहुंचाएंगे। को बाढ़ मुक्त बनाने का काम करेंगे।

बिहार की दुर्गति,यहां के बच्चे पढ़ने जाते हैं विदेश

औरंगाबाद(आईएएनएस)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज औरंगाबाद में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए केंद्र और प्रदेश की एनडीए सरकार पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने बिहार में शिक्षा व्यवस्था की हालत बदतर बताते हुए कहा कि पहले दुनिया भर के बच्चे शिक्षा ग्रहण करने बिहार के नालंदा विश्वविद्यालय आते थे, आज यहां के बच्चे पढ़ने विदेश जाते हैं। यह बिहार का इतिहास है। बिहार सरकार आपकी मदद नहीं करना चाहती है। आज बिहार के लोग जहां भी जाते हैं, वहां मजदूरी करते हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर उन्होंने युवाओं को मजदूर बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डेटा सस्ते होने वाले बयान को लेकर कहा कि आज डेटा नहीं, रोजगार जरूरी है।

कहा कि बिहार के मरीज इलाज कराने दिल्ली जाते हैं। उन्होंने सेना में अग्निवीर को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा कि सेना में भी लोगों का रास्ता बंद कर दिया। सरकारी कंपनियों का निजीकरण कर दिया गया।

प्रधानमंत्री चाहते हैं रील्स बनाओ, लेकिन पेपर चोरी, रोजगार की बात नहीं पूछो

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री चाहते हैं कि आप रील्स बनाओ, लेकिन पेपर चोरी, रोजगार की बात नहीं पूछो। उन्होंने कहा कि बिहार के युवाओं को नया नशा दिया जा रहा है। जैसे ड्रग्स होती हैं, शराब होती है, वैसे ही यह 21वीं सदी का नशा है कि आप 24 घंटे रील्स देखते जाओ। पीएम को जवाब देना चाहिए कि पेपर लीक कब बंद होगा, अच्छे अस्पताल कब खुलेंगे।

केंद्रीय मंत्री ललन सिंह को निर्वाचन आयोग ने नोटिस जारी किया

❒ मोकामा में आचार संहिता उल्लंघन पर मामला दर्ज

पटना/ए.। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सोमवार को मोकामा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक रोड शो के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला सामने आया है। पटना पुलिस ने इस संबंध में कार्रवाई करते हुए कार्यक्रम के आयोजकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पटना पुलिस की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मोकामा में अनंत सिंह के समर्थन में रोड शो किया। इस दौरान प्रचार में अनुमति से अधिक संख्या में वाहनों का उपयोग किया गया, जिसे चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना गया। पटना पुलिस ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करने हेतु पुलिस प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है। इसी कड़ी में आज मोकामा विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान निर्धारित संख्या से अधिक वाहनों का उपयोग पाए जाने पर संबंधित वाहनों को रोका गया एवं जांच की गई। अनुमति के अनुरूप वाहनों को छोड़ते हुए, आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है।

दुलारचंद यादव की हत्या मामले में मोकामा से जदयू प्रत्याशी अनंत सिंह पटना के बेऊर जेल में हैं। 1 नवंबर की देर रात उनकी गिरफ्तारी हुई थी। ऐसी में अनंत सिंह की अनुपस्थिति में केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने चुनाव प्रचारर की कमान संभाली है।

ईपीआईसी न होने पर भी 12 पहचान पत्रों से होगा मतदान

भागलपुर(आईएएनएस)। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन-2025 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन, भागलपुर द्वारा तैयारियां अंतिम चरण में हैं। पर मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रशासन ने यह स्पष्ट किया कि मतदाता पहचान पत्र के अभाव में भी मतदान किया जा सकता है, बशर्ते कि मतदाता सूची में नाम दर्ज हो और आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त 12 वैकल्पिक फोटो पहचान पत्रों में से किसी एक का उपयोग किया जाए। जिन मतदाताओं के पास ईपीआईसी उपलब्ध नहीं है, वे निम्नलिखित पहचान पत्रों में से किसी एक को प्रस्तुत कर मतदान कर सकते हैं–आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंक या डाकघर द्वारा जारी फोटो युक्त पहचान पत्र, श्रम मंत्रालय या आयुष्मान भारत योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, पेंशन दस्तावेज, केंद्र या राज्य सरकार, सार्वजनिक उपक्रम (या पब्लिक लिमिटेड कंपनी द्वारा जारी सर्विस आइडेंटिटी कार्ड, सांसद, विधायक या विधान परिषद सदस्य द्वारा जारी आधिकारिक पहचान पत्र तथा सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी कार्ड।

बिहार में एक नहीं बल्कि 4 डिप्टी सीएम होंगे

पटना/ए.। आज यानी 4 नवंबर को बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले फेज के लिए चुनाव प्रचार शाम 5 बजे से थम जाएगा। इसके बाद बारी वोटरों की होगी जो 6 नवंबर को अपनी ताकत ईवीएम के जरिए दिखाएंगे। लेकिन उससे पहले ही तेजस्वी यादव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नए वादों की झड़ी लगा दी है। तेजस्वी यादव ने कहा है कि अगर महागठबंधन सरकार बनी तो पिछड़ी और अतिपिछड़ी जाति से भी एक-एक डिप्टी सीएम बनेंगे। तेजस्वी यादव की माने तो महागठबंधन सरकार आने पर बिहार इस बार 4 डिप्टी सीएम देखेगा।

तेजस्वी यादव ने कहा कि 'आज पहले चरण का प्रचार प्रसार खत्म हो जाएगा। इस बार जनता ने वर्तमान सरकार को उखाड़ फेंकने का मन बना लिया है। महिलाओं से लेकर युवा वर्ग समेत सभी मतदाता उत्साहित हैं। अगर हमारी सरकार बनी तो मकर संक्रांति के दिन चौदह जनवरी को हमारी सरकार माई बहन सम्मान योजना के तहत पूरे एक साल का तीस हजार रुपये महिलाओं के खाते में डालेंगी।'

तेजस्वी यादव यहीं नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा कि 'हम लोगों ने निर्णय लिया है कि सत्ता में आने पर किसानों को धान के स्स्क्क के अतिरिक्त तीन सौ रुपया देंगे। वही गेहूं की स्स्क्क के अतिरिक्त चार सौ रुपया बोनस देंगे।

पुलिस–सरकारी स्टाफ का होम डिस्ट्रिक्ट के बगल में ट्रांसफर करेंगे : तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि 'पुलिस समेत दूसरे सरकारी कर्मचारियों को उनके होम डिस्ट्रिक से 70 किलोमीटर के अंदर ही ट्रांसफर हम लोग करवायेंगे। ताकि वो ड्यूटी में अनावश्यक तनाव से न जूझें।' जाहिर तौर पर तेजस्वी यादव ने चुनाव को लेकर अपना सबसे बड़ा दांव चल दिया।

ये देश राम और कृष्ण का, ओसामा बिन लादेन का नहीं हो सकता

सीवान (आईएएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान छह नवंबर को होना है। प्रचार के अंतिम दिन मंगलवार को सभी दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा भी आज चुनावी मैदान में उतरे और सीवान में एनडीए प्रत्याशी के लिए वोट मांगे। उन्होंने सीवान में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए रघुनाथपुर से राजद प्रत्याशी और पूर्व सांसद शहाबुद्दीन के पुत्र ओसामा को लेकर जोरदार कटाक्ष करते हुए कहा कि हमारा देश भगवान राम, भगवान कृष्ण और मां जानकी का है, यह देश ओसामा बिन लादेन का हो ही नहीं सकता है। उन्होंने कहा कि जब मुझे बताया गया कि मुझे यहां आना है, तो मेरे मन में आया कि वहां मुझे राम, सीता और लक्ष्मण सभी के दर्शन होंगे। लेकिन मुझे बताया गया कि राम, सीता और लक्ष्मण तो हैं लेकिन ओसामा भी है। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद, हमारे देश में जितने ओसामा बिन लादेन हैं, सबको एक-एक करके खत्म करना है।

साझेदारी

आतंकवाद पर 'जीरो टॉलरेंस', गाजा शांति योजना का समर्थन

नई दिल्ली। भारत और इस्राइल के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस बैठक में दोनों देशों ने आतंकवाद, नवाचार, कृषि और वैश्विक शांति जैसे मुद्दों पर गहन चर्चा की।

जयशंकर ने कहा भारत और इस्राइल के बीच रणनीतिक साझेदारी का असली अर्थ है- भरोसा, सहयोग और साझा मूल्यों पर आधारित रिश्ता। हमने कठिन समय में एक-दूसरे का साथ दिया है। दोनों देशों के सामने आतंकवाद की समान चुनौती है, इसलिए यह जरूरी है कि दुनिया आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' का दृष्टिकोण अपनाए।

निवेश और नवाचार पर जोर

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के बीच हाल ही में हुआ द्विपक्षीय निवेश समझौता एक अहम कदम है। उन्होंने बताया कि कृषि, अर्थव्यवस्था, पर्यटन और वित्त से जुड़े इस्राइली मंत्री पहले ही भारत का दौरा कर चुके हैं। जयशंकर ने कहा भारत ने रेल, सड़क, बंदरगाह, स्वास्थ्य और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में नई क्षमताएं विकसित की हैं। हम इस्राइल के साथ इन क्षेत्रों में साझेदारी को और गहराई देना चाहते हैं।

गाजा शांति योजना पर भारत का समर्थन

जयशंकर ने गाजा क्षेत्र की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि भारत 'गाजा पीस प्लान' का समर्थन करता है और उम्मीद करता है कि यह एक स्थायी शांति समाधान का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने बंधकों की रिहाई और मृतकों के पार्थिव अवशेषों की वापसी का स्वागत भी किया।

इस्राइल ने जताया पीएम मोदी के प्रति आभार

इस्राइली विदेश मंत्री गिदोन सार ने कहा हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मजबूत एकजुटता की सराहना करते हैं। हम याद रखते हैं कि 7 अक्तूबर को हमास के हमले के बाद पीएम मोदी पहले विश्व नेता थे जिन्होंने प्रधानमंत्री नेतन्याहू को फोन किया था। हम इसे कभी नहीं भूलेंगे।

भारत और इस्राइल के लिए उग्रवाद सबसे बड़ा खतरा

इस्राइल के विदेश मंत्री गिडोन सार ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात के दौरान कहा कि कट्टरपंथी आतंकवाद भारत और इस्राइल दोनों के लिए साझा खतरा है। उन्होंने पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। सार ने कहा कि इस्राइल को लंबे समय से ऐसे आतंकवादी संगठनों से खतरा है, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में आतंक के ठिकाने बना लिए हैं।

उन्होंने कहा हमास (गाजा), हिजबुल्लाह (लेबनान) और हौती (यमन) जैसे कट्टर आतंकवादी संगठन हमारे क्षेत्र की स्थिरता और सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती हैं। इन्हें खत्म करना बेहद जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि हमास को निरस्त्र करना और गाजा को सैन्य रूप से मुक्त करना राष्ट्रपति ट्रंप की योजना का मुख्य हिस्सा है और इस पर किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

न्यूज गैलरी

जनजातीय बेटी वैष्णवी सरियाम को बालिका विज्ञान पुरस्कार

विज्ञान संकाय में हासिल किया था प्रदेश में पहला स्थान

भोपाल/नवप्रदेश। छिन्दवाड़ा जिले की जनजातीय बेटी कु. वैष्णवी सरियाम ने मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा वर्ष 2024-25 में आयोजित कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में विज्ञान संकाय के विषयों में पूरे मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान हासिल कर जिले का नाम गौरवान्वित किया है। इस उपलब्धि के लिए उन्हें जनजातीय कार्य विभाग द्वारा मेधावी छात्रा पुरस्कार योजना के अंतर्गत बालिका विज्ञान पुरस्कार से सम्मानित करते हुए, 50 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है। मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग के द्वारा यह पुरस्कार उन 10 जनजातीय वर्ग की बालिकाओं को दिया जाता है, जिन्होंने मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 12वीं की परीक्षा में विज्ञान संकाय के विषयों (भौतिक, रसायन, जीवविज्ञान एवं गणित) में 90त्न से अधिक अंक प्राप्त किए हों और प्रदेश में सर्वोच्च अंक अर्जित किए हों। राज्य स्तरीय चयन समिति द्वारा मूल अंक सूची और जाति प्रमाण-पत्र का गहन सत्यापन करने के बाद वैष्णवी को प्रथम स्थान के साथ पुरस्कार के लिए चुना गया है।

वैष्णवी ने अपनी लगन, मेहनत और आत्मविश्वास से किया मुकाम हासिल

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिवनी पांढुर्णा (छिंदवाड़ा) की छात्रा कु. वैष्णवी सरियाम के पिता श्री विनोद सरियाम किसान हैं। माता गृहिणी होने के साथ सिलाई का कार्य करती हैं। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद वैष्णवी ने अपनी लगन, मेहनत और आत्मविश्वास से यह मुकाम हासिल किया। वैष्णवी ने 300 में से 284 अंक अर्जित कर विज्ञान संकाय के विषयों में प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। वर्तमान में वह घर पर रह कर जेईई मेन्स की तैयारी कर रही हैं। इस उपलब्धि पर कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन और सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री सतेन्द्र सिंह मरकाम ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

राजधानी की झील में मिला अज्ञात शव: सैर-सपाटा क्षेत्र का मामला

भोपाल/नवप्रदेश। राजधानी भोपाल के कमला नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई, जब सैर-सपाटा के पास झील में एक व्यक्ति का शव दिखाई दिया। यह इलाका आम दिनों में लोगों की सैर-सपाटे और घूमने-फिरने की जगह के रूप में जाना जाता है, लेकिन अचानक शव दिखने से वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही कमला नगर पुलिस मौके पर पहुंची और झील से शव को बाहर निकलवाया। इसके बाद शव को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए हमीदिया अस्पताल भेज दिया गया। कमला नगर थाना से उपनिरीक्षक अकल सिंह ने बताया कि मृतक की उम्र करीब 30 से 40 वर्ष के बीच लग रही है। प्रारंभिक जांच में यह शव लगभग दो दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। उन्होंने बताया कि शव पानी में ऊपर तैरकर आ गया था, जिसे देखकर स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ भी की, लेकिन अभी तक मृतक की कोई पहचान नहीं हो पाई है। फिलहाल पुलिस ने शव को अज्ञात मानकर मर्ग कायम किया है। कमला नगर थाना पुलिस ने आसपास के इलाकों में गुमशुदगी की रिपोर्ट्स की जांच शुरू कर दी है, ताकि मृतक की पहचान की जा सके। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मौत हादसे के कारण हुई है या फिर इसमें किसी प्रकार की संदिग्ध परिस्थिति शामिल है।

सेवा भाव और वन्य जीव संरक्षण का प्रतीक है देश का पहला हाई-टेक वन्य जीव कैप्चर अभियान : सीएम यादव

हेलीकॉप्टर और बोमा तकनीक से पकड़े गए 846 कृष्णमृग और 67 नीलगाय

किसानों की फसल बचाने दक्षिण अफ्रीकी विशेषज्ञों की मदद से हुआ अभिनव प्रयोग

मुख्यमंत्री के निर्देश पर चलाया गया सफलतापूर्वक अभियान

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर किसानों की फसलों को नुकसान से बचाने के लिये शाजापुर, उज्जैन और आस-पास के इलाकों में हेलीकॉप्टर और बोमा तकनीक का सफल प्रयोग वन्य जीवों को सुरक्षित पकड़ कर स्थानांतरित करने के लिए किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक बार फिर संवेदनशीलता दर्शाते हुए लंबे समय से कृष्णमृगों और नीलगायों द्वारा फसलों को पहुंचाये जा रहे भारी नुकसान से बचाने के लिये निर्देश जारी किये थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर किसानों की इस गंभीर समस्या के स्थायी समाधान के लिए देश में अपनी तरह का पहला प्रयास किया गया। अभियान के अंतर्गत वन्य जीवों को बिना हानि पहुँचाए अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से पकड़ कर सुरक्षित क्षेत्रों में छोड़ा गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, ÷यह अभियान वन्य जीव संरक्षण और किसानों की सुरक्षा, दोनों के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। मध्यप्रदेश में हम ऐसा संतुलन स्थापित करना चाहते हैं जहाँ प्रकृति, वन्य जीव और किसान, तीनों सामंजस्य के साथ आगे बढ़ें।÷ उन्होंने वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा टीम ने दीपावली के दौरान भी इस अभियान में हिस्सा लिया, जो उनके सेवा और वन्य जीव संरक्षण के प्रति समर्पण भाव का प्रतीक है। अभियान में दक्षिण अफ्रीका की 'कंजरवेशन सॉल्यूशंस' कंपनी के 15 विशेषज्ञों ने भागीदारी की। विशेषज्ञों ने प्रदेश में वन विभाग की टीम को प्रशिक्षित किया और उनके सहयोग से 10 दिन तक लगातार अभियान चलाया गया। अभियान में रॉबिन्सन-44 हेलीकॉप्टर का उपयोग किया गया। इसे इस तरह के अभियानों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त माना जाता है। हेलीकॉप्टर से पहले खेतों और खुले क्षेत्रों में वन्य जीवों की लोकेशन का सर्वे किया गया। इसके बाद रणनीतिक रूप से 'बोमा' बनाया गया। हेलीकॉप्टर की सहायता से फिर धीरे-धीरे हांका लगाकर जानवरों को सुरक्षित रूप से एक फनल (शंकु) आकार की बाड़ में प्रवेश कराया गया, जो जानवरों को भयभीत होने से बचाने के लिए घास और हरे जाल से ढकी होती है। बोमा में आये वन्य जीवों को वाहनों से सुरक्षित रूप से अभयारण्य तक पहुँचाया गया। अभियान में अनुभवी दक्षिण अफ्रीकी पायलट के साथ भारतीय पायलट भी शामिल थे।

अभियान में सफलता पूर्वक 913 वन्य जीवों का किया गया सुरक्षित पुनर्वास

लगभग दस दिनों तक चले इस अभियान में कुल 913 वन्य जीवों को सफलतापूर्वक पुनर्वास कराया गया। इनमें 846 कृष्णमृग और 67 नीलगाय शामिल हैं। सभी नीलगायों को गांधीसागर अभयारण्य के 64 वर्ग किलोमीटर के विशाल क्षेत्र में छोड़ा गया। साथ ही कृष्णमृगों को गांधीसागर, कूनो और नौरादेही अभयारण्यों के उपयुक्त स्थानों पर पुनर्स्थापित किया गया। अभियान में वन्य जीवों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। सभी वन्य जीव अब अपने नए आवासों में स्वच्छंद होकर विचरण कर रहे हैं।

वन विभाग ने वन्य जीवों के पुनर्वास के चलाये गये अभियान में एक विशेष प्रशिक्षित दल तैयार किया, जो दक्षिण अफ्रीकी विशेषज्ञों के साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर चुका है। यह दल भविष्य में राज्य के अन्य जिलों में भी इस प्रकार के कैप्चर ऑपरेशन्स संचालित करेगा। जिला प्रशासन और ग्रामीण समुदाय ने इस अभियान में सक्रिय सहभागिता की। अभियान के दौरान यह स्पष्ट रूप से देखा गया कि इस तकनीक से किसी भी वन्य जीव को बेहोश (ट्रैंक्युलाइज) करने की आवश्यकता नहीं पड़ी। वन्य जीवों की पुनर्स्थापना की, जिससे पूरी प्रक्रिया और अधिक सुरक्षित और प्राकृतिक बनी रही। नीलगायों और कृष्णमृग के पुनर्वास अभियान के परिणामस्वरूप उज्जैन, शाजापुर और आसपास के क्षेत्रों के किसानों ने राहत की सांस ली है। कृष्णमृग और नीलगायों द्वारा फसलों को रौंदने और खाने की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। इससे किसानों की आर्थिक हानि में कमी आयेगी और वन्य जीव-मानव के बीच सह-अस्तित्व की भावना भी सशक्त होगी। अभियान न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे भारत के लिए एक नवीन उदाहरण प्रस्तुत करता है। यह सिद्ध करता है कि आधुनिक तकनीक, विशेषज्ञता और जनसहयोग से मानव-वन्य जीव संघर्ष को मानवीय और वैज्ञानिक तरीकों से हल किया जा सकता है। भविष्य में वन विभाग ऐसे और अभियानों को अन्य जिलों में भी चलाने की योजना बना रहा है, जिससे किसानों को राहत मिले, वन्य जीव सुरक्षित रहें और पर्यावरणीय संतुलन कायम रहे।

वन अधिकार दावों के निराकरण में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं : मंत्री डॉ. शाह

भोपाल/नवप्रदेश। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा है राज्य सरकार जनजातीय बंधुओं के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से वन अधिकार संबंधी दावों के निराकरण में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने को कहा। मंत्री डॉ. शाह मंत्रालय में वन अधिकार अधिनियम एवं पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए गठित टास्क फोर्स की उप समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

बैठक में वन ग्रामों में वन अधिकारों की मान्यता एवं वन ग्रामों के राजस्व गांव में परिवर्तन की संशोधित प्रक्रिया पर चर्चा हुई। टास्क फोर्स के सदस्यों के झाबुआ, खंडवा, बुरहानपुर और दमोह जिलों के भ्रमण के बाद की भी अनुशंसाओं पर चर्चा की गई। बैठक में तय किया गया कि ग्राम स्तरीय वन अधिकार समितियों को विकासखंड स्तर पर प्रशिक्षण देने के लिए संबंधित जिला कलेक्टर द्वारा प्रशिक्षण कैलेंडर तैयार किया जाएगा। प्रशिक्षण जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स द्वारा दिया जाएगा। वन अधिकार पत्र धारकों के दावों के लिए सैटलाइट इमेजरी पब्लिक डोमेन में उपलब्ध कराए जाने की ताजा स्थिति एवं संपूर्ण डिजिटाइजेशन प्रक्रिया पर भी समिति ने विचार किया। सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन के ग्रामवार लंबित दावों की समीक्षा की गई। इसके अलावा उपखंड एवं ग्राम स्तरीय वन अधिकार समितियों के प्रशिक्षण कैलेंडर पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में अपर मुख्य सचिव वन श्री अशोक वर्णवाल, अपर मुख्य सचिव ग्रामीण विकास श्रीमती दीपाली रस्तोगी एवं प्रमुख सचिव जनजाति कार्य श्री गुलशन बामरा एवं टास्क फोर्स के सदस्य उपस्थित थे।

भोपाल (ग्रामीण) के 11 हजार 653 उपभोक्ताओं को अक्टूबर माह में 24 लाख 9 हजार की छूट

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को सोलर ऑवर में मिल रही 20 प्रतिशत छूट

प्रदेश के उपभोक्ताओं को मिली 4 करोड़ 66 लाख 34 हजार रूपये की छूट

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्य क्षेत्र में 3 लाख 61 हजार 856 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनके मासिक विद्युत बिल में टाइम ऑफ डे (ञ्जश्ष्ठ) छूट का लाभ प्रदान करते हुए अक्टूबर माह में कुल 4 करोड़ 66 लाख 34 हजार की रियायत प्रदान की गई है। इसमें भोपाल ग्रामीण के 11 हजार 653 उपभोक्ताओं को 24 लाख 9 हजार रूपए की दिन के टैरिफ में छूट मिली है। कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनकी खपत के आधार पर टाइम ऑफ डे (ञ्जश्ष्ठ) छूट अंतर्गत यह रियायत प्रदान की गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने बताया है कि कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटरिंग पहल के अंतर्गत माह अक्टूबर 2025 के दौरान यह छूट प्रदान की गई है। दिन के टैरिफ में स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जा रही है। कंपनी ने बताया है कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए जिसमें घरेलू, गैर घरेलू, सार्वजनिक जल कार्य और स्ट्रीट लाइट और निम्न दाब औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए सोलर ऑवर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड/अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को ही दी जा रही है। प्रबंध संचालक श्री सिंघल ने आमजन एवं उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने परिसर में स्मार्ट मीटर लगाने में सहयोग करें और स्मार्ट मीटर लगवाने से न घबराएं। स्मार्ट मीटर उनके लिए हर तरह से फायदेमंद है और स्मार्ट मीटर की सटीक रीडिंग और बिलिंग के साथ ही कार्य प्रणाली में भी किसी प्रकार की गड़बड़ी की कोई गुंजाइश नहीं है।

स्मार्ट मीटर से ऊर्जा बचत में मिलती है मदद

स्मार्ट मीटर से बिजली उपभोक्ताओं को ऊर्जा की खपत को ट्रैक करने और ऊर्जा की बचत करने में मदद मिलती है। स्मार्ट मीटर बिजली की खपत को सटीक रूप से मापता है, जिससे बिल में कोई गलती नहीं होती। ऐप से मोबाइल पर रियल-टाइम डेटा देखकर ऊर्जा की खपत को नियंत्रित किया जा सकता है। उपभोक्ताओं को ऊर्जा की गुणवत्ता के बारे में जानकारी मिलती है, जिससे ऊर्जा की खपत को बेहतर बनाया जा सकता है। उपभोक्ता ऊर्जा की खपत को ऑनलाइन मोबाइल ऐप के द्वारा किसी भी समय कहीं से भी देख सकते हैं।

भोपाल के जेपी हॉस्पिटल पहुंचे कलेक्टर: बोले- सफाई में लापरवाही बरती तो कार्रवाई करूंगा

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह मंगलवार को जेपी हॉस्पिटल पहुंचे। सफाई व्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा कि सफाई में कोई भी लापरवाही बरती तो कड़ी कार्रवाई करुंगा। साथ ही पार्किंग के टेंडर जल्दी जारी करने के निर्देश दिए। मंगलवार को कलेक्टर सिंह अचानक जेपी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने ओपीडी का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा और उपस्थित डॉक्टरों एवं स्टाफ को सेवाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा, सिविल सर्जन डॉ. संजय जैन भी साथ थे।

कलेक्टर सिंह ने अस्पताल के नवनिर्मित भवन का निरीक्षण भी किया। कहा कि नई बिल्डिंग में चिकित्सा सेवाओं की शुरुआत शीघ्र की जाए। ताकि मरीजों को बेहतर इलाज की सुविधा मिल सके। उन्होंने अस्पताल परिसर की पार्किंग व्यवस्था के लिए भी जल्द टेंडर जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि अस्पताल में स्वच्छता व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। सफाई में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर ठेकेदार पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, ओपीडी के निर्धारित समय पर डॉक्टरों और स्टाफ की उपस्थिति तय हो। संबंधित अधिकारी नियमित रूप से दौरा करें। देरी से आने वाले अधिकारी-कर्मचारियों पर निलंबन की कार्रवाई की जाएगी।

मध्यप्रदेश की ग्रामीण सड़कों के रख-रखाव पर दें ध्यान : मंत्री पटेल

मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की कार्यकारिणी समिति की हुई बैठक

पहले चरण में निर्मित समस्त सड़कों में बने रपटे आवागमन के लिए हों बारहमासी

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के तहत बनी प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़कों के रख रखाव पर प्राधिकरण पूरा ध्यान दे। योजना के पहले चरण में निर्मित समस्त सड़कों में बने रपटे में बारहमासी आवागमन सुनिश्चित रहे। यह निर्देश पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने मंगलवार को मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण समिति की 26वीं बैठक में दिये। बैठक में अपर मुख्य सचिव ग्रामीण विकास श्रीमती दीपाली रस्तोगी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण श्री दीपक आर्य सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री श्री पटेल ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्मित सड़कों के संधारण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभाग के इंजीनियर्स को गुणवत्तापूर्ण कार्यों के लिए मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क अकादमी में प्रशिक्षित भी किया जाए। नवीन तकनीक के उपयोग से उन?हें अवगत कराया जाए। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्मित सड़कों के संधारण का दायित्व प्राधिकरण को सौंपा गया है। प्राधिकरण द्वारा अब तक 88 हजार 517 किलोमीटर लंबाई के 25 हजार 331 मार्गों का निर्माण किया जा चुका है। प्राधिकरण द्वारा अभी तक कुल 66 हजार 292 किलोमीटर बिटुमिन नवीनीकरण किया गया है। इनमें से लगभग 15 हज़ार 900 किलोमीटर लंबाई का नवीनीकरण वेस्ट प्लास्टिक तकनीकी का उपयोग करते हुए किया गया है। संधारण के अंतर्गत स्व सहायता समूहों द्वारा 14 ज़िलों के 114 मार्गों पर संधारण कार्य किया जा रहा है। ख़ास बात यह है कि ऐसे 115 स्व-सहायता समूह में 1270 महिलाएँ भी कार्य कर रही है।

बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना अंतर्गत सड़क सम्पर्कता प्रदान करने के लिए लगभग 30 हजार 900 किलोमीटर मार्ग निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसकी लागत 21 हजार 630 करोड़ रुपये है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क के चतुर्थ चरण का कार्य दिसंबर 2024 से प्रारंभ हुआ है। इसमें 868 सड़कों का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है। इनकी कुल लंबाई 1849 किलोमीटर और लागत 1545 करोड़ रुपये है। इन सड़कों के बनने से ग्रामीण क्षेत्र की 878 बसाहटें लाभान्वित होंगी। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में भारी वाहनों के आवागमन से क्षतिग्रस्त सड़कों के उन्नयन पर ध्यान दिया जाए।

सुविचार

खेल चाहे ताश का हो या जिंदगी का अपना इक्का उसी समय दिखाना चाहिए जब सामने बादशाह हो। - अज्ञात

भारत की एक और बड़ी कूटनीतिक जीत

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत के प्रति सख्त रवैया अपनाने और भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने के बावजूद भारत अमेरिका के आगे नहीं झुका है और अब तो उसने अमेरिका को झुकने पर बाध्य कर दिया है। ईरान स्थित चाबहार बंदरगाह पर भारत को आगे भी व्यापार करने के लिए अमेरिका ने छूट प्रदान कर दी है जो भारत की एक और बड़ी कूटनीतिक जीत है। गौरतलब है कि चाबहार बंदरगाह से व्यापार की सुविधा आगे बढ़ जाने के कारण अब भारत और अफगानिस्तान के बीच व्यापार सुचारू रूप से हो पाएगा। गौरतलब है कि अफगानिस्तान चारों ओर से कई देशों से घिरा हुआ है उसके पास कोई समुद्र नहीं है। नतीजतन उसे भारत से या अन्य देशों से व्यापार करने के लिए पाकिस्तान पर निर्भर रहना पड़ता था। जिसका पिछले कई दशकों से पाकिस्तान नाजायज फायदा उठाता रहा है और इसकी एवज में अफगानिस्तान से भारी शुल्क से वसूलता रहा है। अभी तो पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जम के हालात बन गये हैं। फिलहाल भले ही संघर्ष विराम हो गया है लेकिन कभी भी यह टूट सकता है और दोनों देशों के बीच जंग हो सकती है। ऐसे में पाकिस्तान के रास्ते भारत अफगानिस्तान को जो समान भेजता है उसे पाकिस्तान रोक लेगा। इस समस्या का समाधान करने भारत ने चाबहार बंदरगाह से व्यापार जारी रखने का जो फैसला लिया है उसपर अमेरिका को सहमत होना पड़ा है। यह पाकिस्तान के लिए एक बड़ा झटका है। वहीं इससे अफगानिस्तान की तालिबान सरकार भारत की और मुरीद बन गई है। इस बीच खबर यह है कि अफगानिस्तान अपने बगराम एयरबेस को भारत के हवाले करने का मन बना चुका है। अफगानिस्तान स्थित बगराम एयरबेस न सिर्फ एशिया का बल्कि पूरी दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे सुरक्षित एयरबेस है। जिसे पांच दशक पूर्व रूस ने बनवाया था और दो दशकों तक इस पर अमेरिका ने अपना कब्जा कायम रखा था। और इसे अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस कर दिया था। बगराम ऐयरबेस में दस हजार से अधिक अमेरिकी सैनिक भी तैनात थे। किन्तु जो वाइडन के कार्यकाल में जब अमेरिकी सेना अफगानिस्तान चली गई तो बगराम ऐयरबेस पर पाकिस्तान और चीन दोनों ने ही उसके सामरिक महत्व को देखते हुए अपनी गिद्ध दृष्टि गड़ा दी थी लेकिन तालिबान ने दोनों को ही ठेंगा दिखा दिया था इसके बाद अब अमेरिका फिर से बगराम एयरबेस पर कब्जा करने की फिराक में है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि बगराम एयरबेस को छोड़ना जो वाइडन सरकार की बड़ी गलती थी जिसे वे सुधारेंगे और बगराम एयरबेस पर फिर से काबिज होंगे लेकिन तालिबान ने अमेरिका के प्रस्ताव को भी ठुकरा दिया है और अब उसने बगराम एयरबेस भारत के हवाले करने का मन बना लिया है। यदि ऐसा हुआ तो भारत की यह बड़ी उपलब्धि होगी। गौरतलब है कि भारत का ताजिकिस्तान में जो एक मात्र एयरबेस था उसके एग्रीमेन्ट की अवधि खत्म हो गई है जिसे आगे बढ़ाने की भारत ने पहल की थी लेकिन पाकिस्तान और तुर्की ने ताजिकिस्तान पर दबाव डालकर उस एग्रीमेन्ट को आगे बढ़ने से रोक दिया था। अब भारत को बगराम एयरबेस मिल जाता है तो इस क्षति की पूर्ति हो जाएगी और भारत तथा अफगानिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंध और मजबूत हो जाएंगे। साथ ही पाकिस्तान और चीन की गतिविधियों पर नजर रखना भारत के लिए और आसान हो जाएगा।

सदगुरू बोधामृतम

सदगुरू ऋतेश्वर जी

❖ जब चित्त में स्थान नहीं हो, इसी को त्याग कहते हैं।

❖ इस पश्थ्वी पर दुर्जन और दुष्ट को सज्जन बनाने का अभी तक कोई उपाय जन्म नहीं लिया है।

❖ कुल के हित के लिए एक का त्याग करना, गांव के हित के लिए कुल का त्याग करना, देश के हित के लिए किसी गांव का त्याग करना और अपने आत्म कल्याण के लिए पूरी पश्थ्वी का त्याग करना समीचीन है।

❖ प्रत्येक मनुष्य को एक पवित्र आत्मा होने का गौरव होना चाहिए।

❖ गुरु गोविंद के पथ पर चलने के लिए और अपने निजानंद को ढूंढने का पहला ठोस और बड़ा जोरदार कदम उनके सानिध्य में पहुँच जाना; सिर्फमन में नहीं, असलियत में !

❖ पृथ्वी पर ऐसा कोई उपाय नहीं जिससे दुर्जन को सज्जन बनाया जा सके इसलिए समय नष्ट करने से कोई लाभ नहीं है चाहे अपना हो चाहे पराया हो।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1780 कर्नल लाबाल्म के तहत फ्रांसीसी-अमेरिकन बल को मियामी चीफलिटिल टर्टल द्वारा पराजित किया गया। 1781 जॉन हंसन ने अमेरिका के पहले संकलित कांग्रेस राष्ट्रपति चुनाव में जीत दर्ज की। 1812 अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में जेम्स मैडिसन ने डेविट क्लिंटन को हराया। 1824 रेंससेलयर पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट, अंग्रेजी भाषी दुनिया में पहला तकनीकी विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क में ट्रॉय, में स्थापित किया गया। 1829 तकनीकी विश्वविद्यालय डेनमार्क (डीटीयू) खोला गया। 1838 मध्य अमेरिका के संघीय गणराज्य के पतन ने निकारागुआ को संघ से अलग कर दिया। 1862 एम्ब्रोस बर्नासस ने मैक्केलेन को पोटोमैक की सेना के प्रमुख के रूप में स्थान दिया। 1862 अमेरिकी नागरिक युद्ध-अब्राहम लिंकन ने दूसरी बार और अंतिम बार यूनियन आर्मी के कमांडर जॉर्ज बी। मैकलेलन को हटा दिया। 1872 उल्येसेस एस ग्रांट अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। 1895 अमेरिकी राज्य ने यूटा में महिला मताधिकार की शुरुआत की गयी। 1909 पहला वूलवर्थ डिपार्टमेंटल स्टोर ब्रिटेन के लिवरपूल में खोला गया, क्योंकि अमेरिकी श्रृंखला यूरोप में अपने डिपार्टमेंटल स्टोर का विस्तार कर रही थी 1918 योरोपीय देशों से शुरु हुई इन्फ्लूएन्ज़ा की महाभारी ने दुनिया में 10 लाख लोगों की जान ली। 2006 इराक के पूर्व राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को फांसी की

गुरु नानक का प्रकाश पर्व: हर युग के अंधकार को मिटाने वाला संदेश

योगेश कुमार गोयल

लोग आश्चर्यचकित होकर पूछने लगे, ''खेतों में पानी! पानी खेतों में कहां जा रहा है? यह तो वापस गंगा में ही जा रहा है और यहां पानी देने से आपके खेतों में पानी जा भी कैसे सकता है?'' गुरु नानक ने उनसे पूछा कि यदि पानी नजदीक में ही मेरे खेतों तक नहीं पहुंच सकता तो इस प्रकार आप द्वारा दिया जा रहा जल इतनी दूर आपके पूर्वजों तक कैसे पहुंच सकता है? लोगों को अपनी गलती का अहसास हुआ और वे गुरु जी के चरणों में गिरकर प्रार्थना करने लगे कि उन्हें सही मार्ग दिखलाएं ताकि जिससे उन्हें परमात्मा की प्राप्ति हो सके। गुरु नानक सदैव मानवता के लिए जीए और जीवनपर्यन्त शोषितों व पीड़ितों के लिए संघर्षरत रहे। उनकी वाणी को लोगों ने परमात्मा की वाणी माना और इसीलिए उनकी यही वाणी उनके उपदेश एवं शिक्षाएं बन गई। ये उपदेश किसी व्यक्ति विशेष, समाज, सम्प्रदाय अथवा राष्ट्र के लिए ही नहीं बल्कि चराचर जगत एवं समस्त मानव जाति के लिए उपयोगी हैं।

सिख धर्म के आदि संस्थापक और सिखों के पहले गुरु हैं गुरु नानक देव, जो केवल सिखों में ही नहीं वरन् अन्य धर्मों में भी उतने ही सम्माननीय हैं। उनका जन्म तलवंडी (जो भारत-पाक बंटवारे के समय पाकिस्तान में चला गया) में सन् 1469 में हुआ था। प्रतिवर्ष कार्तिक मास की पूर्णिमा को गुरु नानक जयंती मनाई जाती है, जिसे 'प्रकाश पर्व' भी कहा जाता है और इस बार 5 नवम्बर को गुरु नानक का 556वां प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। हालांकि अब तक इसका कारण ज्ञात नहीं है कि गुरु नानक जयंती किसी एक निर्धारित तिथि को न मनाकर कार्तिक मास की पूर्णिमा को ही क्यों मनाई जाती है? नानक जब केवल पांच साल के थे, तभी धार्मिक और आध्यात्मिक वार्ताओं में गहन रूचि लेने लगे थे। अपने साथियों के साथ बैठकर वे परमात्मा का कीर्तन करते और अकेले में घंटों कीर्तन में मग्न रहते। दिखावे से कोसों दूर वे यथार्थ में जीते थे। जिस कार्य में उन्हें दिखावे अथवा प्रदर्शन का अहसास होता, उसकी वास्तविकता जानकर वे विभिन्न सारगर्भित तर्कों द्वारा उसका खंडन करने की कोशिश करते। नानक जब 9 वर्ष के हुए तो उनके पिता कालूचंद खत्री, जो पटवारी थे और खेती-बाड़ी का कार्य भी करते थे, ने उनका यज्ञोपवीत संस्कार कराने के लिए पुरोहित को बुलाया। पुरोहित ने यज्ञोपवीत पहनाने के लिए नानक के गले की ओर हाथ बढ़ाया तो नानक ने उनका हाथ पकड़कर पूछा कि आप यह क्या कर रहे हैं और इससे क्या लाभ होगा? पुरोहित ने कहा कि बेटे, यह जनेऊ है, जिसे पहनने से मोक्ष की प्राप्ति होती है और इसे पहने बिना मनुष्य शूद्र की श्रेणी में रहता है। तब नानक ने उनसे पूछा कि पुरोहित जी, सूत का बना यह जनेऊ मनुष्य को भला मोक्ष कैसे दिला सकता है क्योंकि मनुष्य का अंत होने पर जनेऊ तो उसके साथ परलोक में नहीं जाता। नानक के इन शब्दों से सभी व्यक्ति बहुत प्रभावित हुए और आखिरकार पुरोहित को कहना पड़ा कि बेटा, तुम सत्य कह रहे हो, वास्तव में हम अंधविश्वासों में डूबे हैं।

गुरु नानक का विवाह 19 वर्ष की आयु में गुरदासपुर के मूलचंद खत्री की पुत्री सुलखनी के साथ हुआ किन्तु धार्मिक प्रवृत्ति के नानक को गृहस्थाश्रम रास नहीं आया और वे

सांसारिक मायाजाल से दूर रहने का प्रयास करने लगे। पिता ने उन्हें व्यवसाय में लगाना चाहा किन्तु व्यवसाय में भी उनका मन न लगा। एक बार पिता ने कोई काम-धंधा शुरू करने के लिए उन्हें कुछ धन दिया लेकिन नानक ने सारा धन साधु-संतों और जरूरतमंदों में बांट दिया और एक दिन घर का त्याग कर परमात्मा की खोज में निकल पड़े। पाखंडों के घोर विरोधी रहे गुरु नानक की यात्राओं का वास्तविक उद्देश्य लोगों को परमात्मा का ज्ञान कराना किन्तु बाह्य आडम्बरों एवं पाखंडों से दूर रखना ही था। वे सदैव छोटे-बड़े का भेद मिटाने के लिए प्रयासरत रहे और उन्होंने निम्न कुल के समझे जाने वाले लोगों को सदैव उच्च स्थान दिलाने के लिए प्रयास किया।

गुरु नानक को एक बार भागो मलिक नामक एक अमीर ने भोजन के लिए अपने घर आमंत्रित किया लेकिन नानक जानते थे कि वह गरीबों पर बहुत अत्याचार करता है, इसलिए उन्होंने भागो का निमंत्रण स्वीकार नहीं किया और एक मजदूर के निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार कर लिया। भागो ने इसे अपना अपमान मानते हुए गुरु नानक को खूब खरी-खोटी सुनाई तथा अपमानजनक शब्द कहे लेकिन नानक ने सरल शब्दों में उसे कहा कि तेरी कमाई पाप की कमाई है जबकि इस मजदूर की कमाई मेहनत की कमाई है। भागो यह सुनते ही भड़क उठा और गुस्से में फुफकारते हुए कहने लगा कि तुम अव्वल दर्जे के पाखंडी और नीच कुल के हो, तभी तो नीच कुल वालों का ही निमंत्रण स्वीकार करते हो। इस पर गुरु नानक ने जवाब दिया कि मैं वह भोजन कदापि ग्रहण नहीं कर सकता, जो गरीबों का खून चूसकर तैयार किया गया हो।

भागो ने गुस्से से उबलते हुए सवाल किया कि मेरे स्वादिष्ट व्यंजनों से तुम्हें खून निकलता दिखाई देता है और उस मजदूर की बासी रोटियों से ...? ''दूध। और अगर तुम्हें विश्वास न हो तो स्वयं आजमाकर देख लो।'' नानक ने कहा। घमंड व क्रोध से सराबोर भागो ने अपने घर से स्वादिष्ट व्यंजन मंगवाए और नानक ने उस मजदूर के घर से बासी रोटी। तब नानक ने एक हाथ में भागो के स्वादिष्ट व्यंजन लिए और दूसरे में मजदूर के घर की बासी रोटी और दोनों हाथों को एक साथ दबाया। जब वहां उपस्थित लोगों ने देखा कि मजदूर की बासी रोटी से दूध की धार निकल रही है जबकि भागो के स्वादिष्ट व्यंजनों से खून की धार तो उनके आश्चर्य का ठिकाना न रहा। यह देख भागो का अहंकार चूर-चूर हो गया और वह गुरु नानक के चरणों में गिरकर क्षमा याचना करने लगा। गुरु नानक एक बार हरिद्वार पहुंचे तो उन्होंने देखा कि बहुत से लोग गंगा में स्नान करते समय अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पूर्व दिशा की ओर उलट रहे हैं। उन्होंने विचार किया कि लोग किसी अंधविश्वास के कारण ऐसा कर रहे हैं। तब उन्होंने लोगों को वास्तविकता का बोध कराने के उद्देश्य से अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पश्चिम दिशा की ओर उलटना शुरू कर दिया। जब लोगों ने काफी देर तक उन्हें इसी प्रकार पश्चिम दिशा की ओर पानी उलटते देखा तो उन्होंने पूछ ही लिया कि भाई तुम कौन हो और पश्चिम दिशा में जल देने का तुम्हारा क्या अभिप्राय है? नानक ने उन्हीं से पूछा कि पहले आप लोग बताएं कि आप पूर्व दिशा में पानी क्यों दे रहे हैं?

लोगों ने कहा कि वे अपने पूर्वजों को जल अर्पित कर रहे हैं ताकि उनकी प्यासी आत्मा को तृप्ति मिल सके। इस पर नानक ने पूछा कि तुम्हारे पूर्वज हैं कहां? लोगों ने जवाब दिया कि वे परलोक में हैं लेकिन तुम पश्चिम दिशा में किसे पानी दे रहे हो? गुरु नानक बोले कि यहां से थोड़ी दूर मेरे खेत हैं। मैं यहां से अपने उन्हीं खेतों में पानी दे रहा हूं।

वन्दे मातरम: एक गीत, एक आत्मा, एक भारत

डॉ. सच्चिदानंद जोशी

*"वन्दे मातरम
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम
शस्यशामलां मातरम् ।
शुभ्रज्योत्स्नापुलकितयामिनीं
फुल्लकुसुमितद्रुमदलशोभिनीं
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीं
सुखदां वरदां मातरम् ।। 1 ।। वन्दे मातरम् ।
कोटि-कोटि-कण्ठ-कल-कल-निनाद-कराले
कोटि-कोटि-भुजैर्धृत-खरकरवाले,
अबला केन मा एत बले ।
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं
रिपुदलवारिणीं मातरम् ।। 2 ।। वन्दे मातरम् ।'*

20 नवंबर 1909 को कर्मयोगिन में इस अनुवाद के प्रकाशित होने से करीब बीस वर्ष पहले, 'वंदे मातरम' गीत भारतीय एकता की आत्मा में रच-बस चुका था। रैलियों और घरों में गुनगुनाए जाने वाले इस गीत ने लाखों लोगों के दिलों को प्रांतों और पंथों से ऊपर उठने का आह्वान किया। बंकिमचन्द्र चटर्जी के शब्दों ने पूरे देश को एक साथ सपने देखने के लिए प्रेरित किया, और अरबिंदो के अंग्रेजी अनुवाद ने इसे नई पीढ़ियों और पूरे विश्व तक पहुंचाया, ताकि वे भारत की आजादी की पुकार सुन सकें। कर्मयोगिन में इस कविता का प्रकाशन केवल एक गीत का अनुवाद नहीं था- यह एक आंदोलन का रूप बन गया, जिसने पिछले दो दशकों से भारत को हर तरह के भेदभाव से ऊपर उठकर एक सूत्र में बाँधने की शक्ति दी। लोगों ने पहली बार 'वंदे मातरम्' को 1896 में एक भजन की तरह सुना, जब रवींद्रनाथ ठाकुर ने इसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कोलकाता अधिवेशन में गाया। उस शाम श्रोतागण मंत्रमुग्ध हो गए। गीत में विरोध के नहीं, भक्ति के स्वर थे। 10 साल बाद 1905 में, जब बंगाल का विभाजन हुआ और वहां असंतोष फैला, तब रवींद्रनाथ ठाकुर के भतीजे अबनिंद्रनाथ ठाकुर ने भारत माता की तस्वीर बनाई- भगवा वस्त्रों में एक स्त्री, जिसके हाथ में अनाज की पुंज, एक पुस्तक और एक माला थी। यह चित्र बंकिमचंद्र के 'वंदे मातरम्' की भावना का जीवंत रूप बन गया। यह गीत केवल किसी कवि की कल्पना नहीं था। यह उस आत्मा की पीड़ा भरी पुकार थी, जो वर्षों से मातृभूमि की रक्षा और अस्तित्व के लिए जूझ रही थी। जब ब्रिटिश हुकूमत लोगों से 'लॉन्ग लिव द क्वीन' कहलवा रही थी, तब बंकिमचन्द्र चटर्जी ने एक ही रात में यह गीत लिखा। यह गीत सदियों के दुख और अपमान का काव्यात्मक उत्तर था- एक गूंजती पुकार, जिसने उस सोए हुए राष्ट्र को जगाने की कोशिश की जो लंबे समय से पीड़ा में सुन्न हो गया था।

कांग्रेस के अधिवेशन से लेकर लाहौर की फाँसी तक, वंदे मातरम् विद्रोह की सांस बन गया। भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, बटुकेश्वर दत्त और अनेक क्रांतिकारियों ने इसे मौत का सामना करते हुए जोर से पुकारा। सुभाष चंद्र बोस ने इसे आजाद हिंद फौज का मार्चिंग धुन बना दिया। यह गीत सभाओं में गूंजता था और जेलों की दीवारों में धीमे स्वर में फुसफुसाया जाता था। इसने संत और सैनिक, विद्वान और किसान, हिंदू और मुस्लिम- सभी को एक सूत्र में बांध दिया। यह गीत एक साथ प्रार्थना भी था और विरोध की पुकार भी।

'वंदे मातरम्'का पहला अंग्रेजी अनुवाद श्री अरविंदो ने नहीं किया था। कई भारतीय और अंग्रेज विद्वानों ने इस गीत का अंग्रेजी में अनुवाद किया था। इसे उर्दू सहित कई भारतीय भाषाओं में भी अनुवादित किया गया था। डब्ल्यू. एच. ली, जो ब्रिटिश शासन के दौरान भारतीय सिविल सेवा में थे, उन्होंने 1906 में इसका अंग्रेजी अनुवाद किया। जब'वंदे मातरम् शब्द बोलना भी प्रतिबंधित कर दिया गया था, तो इसका गुमनाम रूप से अनुवाद किया गया। हालांकि, अरविंदो घोष द्वारा किया गया अंग्रेजी अनुवाद सबसे प्रसिद्ध है, जिसे मूल बांग्ला गीत के साथ प्रकाशित किया गया था। कोई और गीत ऐसा नहीं है जो पीढ़ियों और सीमाओं को लांघते हुए, भारत के हर रंग और वर्ग तक पहुंचा हो और फिर भी भारतीयता की पहचान के केंद्र में बना रहा हो। गुलामी और दुख, सुधार और क्रांति, हर दौर में 'वंदे मातरम्' टिका रहा, केवल क्रोध के नारे के रूप में नहीं, बल्कि प्रेम के अभिवादन के रूप में। इस गीत की स्थिरता को समझने के लिए हमें इसके उद्गम तक लौटना होगा। बंगाल के एक साधारण से घर में, उस उजले दिन तक, जिसने भारत की किस्मत बदल दी। बंकिमचंद्र चटर्जी (1838ङ्क1894), जो कलकत्ता विश्वविद्यालय के शुरुआती स्नातकों में से एक थे, ने सरकारी सेवा में प्रवेश किया और डिप्टी मजिस्ट्रेट तथा डिप्टी कलेक्टर बने। अपने काम के दौरान उन्हें ब्रिटिश अभिलेखों और राजपत्रों तक पहुंच मिली, जिनमें एक भूली हुई गाथा दर्ज थी: संन्यासी विद्रोह (1763ङ्क1780), जब साधु-संन्यासी ढाका और उत्तर बंगाल में अंग्रेज़ी अत्याचार के खिलाफ उठ खड़े हुए थे। त्याग से प्रतिरोध में बदलने वाली यह कहानी ही बाद में बंकिम बाबू के प्रसिद्ध उपन्यास आनंदमठ की प्रेरणा बनी। लेकिन उपन्यास से पहले गीत जन्मा-'वंदे मातरम। 1870 के दशक तक आते-आते, ब्रिटिश साम्राज्य ने अपनी निष्ठा दिखाने के नियम लागू करने शुरू कर दिए थे। सरकारी कार्यक्रमों और स्कूलों में भारतीयों को 'गॉड सेव द क्वीन' गीत के लिए खड़ा होना पड़ता था। बंकिमचंद्र के लिए यह केवल राजनीतिक दबाव नहीं था। यह आध्यात्मिक गुलामी थी। एक गौरवशाली सभ्यता को सिखाया जा रहा था कि वह विदेशी शासक के आगे सिर झुकाए।

यही वह शांत विद्रोह का क्षण था जब रविवार, 7 नवंबर 1875 (अक्षय नवमी) के दिन, कोलकाता के पास अपने घर में, बंकिमचंद्र चटर्जी ने कलम उठाई। उस समय वे एक अलौकिक भावना में थे और उसी एक बैठकी में उन्होंने'वंदे मातरम्' लिख डाला, जैसे यह गीत उन्होंने लिखा नहीं, बल्कि ऊपर से उनके भीतर उतर आया हो।

जब बाकी लोग रानी के लिए गाते थे, तब बंकिमचंद्र ने मातृभूमि के लिए गाया। उन्होंने साम्राज्य के आदेश का उत्तर आत्मसमर्पण से नहीं, बल्कि आत्म जागरण से दिया। किसी मुकुट के आगे नहीं, बल्कि अपने अंतःकरण के आगे झुके।

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

बताता वो कुछ तो

बताता वो कुछ तो सताने से पहले बताया नहीं क्यूं था जाने से पहले नहीं बेवफ़ा इश्क़ होता है अच्छा यही बात कहना ज़माने से पहले अचानक तुझे फोन आ ही गया तो ज़रा सोच लेना ये जाने से पहले तेरा नाम डाला नहीं लिस्ट में था विमोचन का खाका बनाने से पहले फ़क़त एक संख्या बनाओ न मुझको ये झूठी सी महफ़िल सजाने से पहले नहीं जीत पाया कोई मुझसे लड़कर ज़रा सोच लेना ये आने से पहले।

- मित्र ग़ाज़ियाबादी

कल्पना ज़रूरी है,

कल्पना ज़रूरी है, भावना ज़रूरी है शायरी में शायर की, आत्मा ज़रूरी है मुश्किलें तो आयेंगी इम्तिहान लेने को हौसला रहे क़ायम, आप का ज़रूरी है सीखना अगर चाहो, जीने का सलीक़ा तुम पास इन बुज़ुर्गों के, बैठना ज़रूरी है क़ौम से जहालत की, तीरगी मिटाने को इक दिया करें रौशन, इल्म का ज़रूरी है छोड़ दें झगड़ना हम, छोटी छोटी बातों पर वक़्त का तक़ाज़ा है, एकता ज़रूरी ह।

- अजय अज्ञात

हनुमान लला सुनो जरा, भक्तों की पुकार,

हनुमान लला सुनो जरा, भक्तों की पुकार, हाथ जोड़े विनती करें, सब पर करो उपकार ।। बुद्धि बल के स्वामी मुझको, शरण में अपनी ले लो, संजीवनी करुणानिधि देकर, जीवंत मुझको कर लो!! श्रद्धा-विश्वास से संबल-युक्त, जीवन मेरा कर दो, निर्बल के बल राम हैं सदा, शोभा की स्मृति में भर दो !! **- शोभा त्रिपाठी**

प्रबोधिनी एकादशी, उठे विष्णु भगवान

प्रबोधिनी एकादशी, उठे विष्णु भगवान। चतुर्मास का तज शयन, दिव्य समय आह्वान॥ तुलसी मैया शुभ प्रणय, पुण्य सनातन रीत। तुलसी शालिग्राम जुड़ीं, सदा सुमंगल प्रीत॥ तुलसी लक्ष्मी रूप में, पूज रहा संसार। तन मन धन शुभ संपदा, सकल जगत उद्धार॥ **- डॉ प्रतिभा गर्ग**

सिमटने लगे जमीन पर गलीचे पारिजात

सिमटने लगे जमीन पर गलीचे पारिजात के क्यारी में सैवंती खुल के खिलखिला रही है पसर रहा है आँगन में गुनगुनी धूप का उजास गुलाबी ठंड कोहरे की ओट से मुस्कुरा रही है ... बीत गया है अक्टूबर आहट नवम्बर की आ रही है। **- सरिता त्रिवेदी**

लड़कर जीतीं नारियाँ, लिखा

लड़कर जीतीं नारियाँ, लिखा नया इतिहास। ले क्रिकेट का विश्वकप, पूरी कर दी आस।। टूट पड़ीं मैदान में, छक्के दिए छुड़ाय। अफ्रीका को मात दे, उत्सव रहीं मनाय।। भारत का फिर हो गया, रोशन जग में नाम। अर्ध रात्रि जो आ गया, खुशियों का पैगाम।। **- रमेश शर्मा**

अभिलाषाओं का एक सिरा तो

अभिलाषाओं का एक सिरा तो सदैव अपने ही हाथ होता है दूसरा सिरा कभी स्वयं के हाथ नहीं होता है किंतु , कई लोग एक सिरा हाथ में रखते ही हैं और दूसरे सिरे को भी स्वयं के हाथ रखने का ही प्रयास करते हैं ... सारे मसले दुनिया के ऐसे में ही खड़े होते हैं अधिकतर ??

- मधुलिका शुक्ला

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज के दिन आप अपने हास्य भरे व्यवहार से आस पास का वातावरण खुशनुमा बनाएंगे। व्यवहार में भी नरमी रहने से लोग आपके साथ समय बिताना पसंद करेंगे।

वृषः आज का दिन आपकी आशाओ के विपरीत रहने वाला है अतिमहत्वपूर्ण निर्णय लेने से पहले किसी अनुभवी की सलाह अवश्य लें।

मिथुनः आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। पूर्व में किये शुभकर्मों का फल आज किसी ना किसी रूप में अवश्य मिलेगा।

कर्कः आज का दिन सिद्धिदायक है लेकिन आज किसी भी कार्य को करने से पहले उसकी योजना बनाकर ही करें सफलता निश्चित मिलेगी।

सिंहः आज के दिन आप दैनिक कार्यो में व्यस्त रहेंगे दिनचार्य उटपटांग रहने से निराश भी होंगे मध्यान तक किसी भी कार्य को दिशा ना मिलती देख मेहनत व्यर्थ होती प्रतीत होगी।

कन्याः आज आप दिनभर शारीरिक समस्या से जूझेंगे मौसमी बीमारियों का प्रकोप परिवार के सदस्यों को भी प्रभावित करेगा।

तुलाः आज आप अपनी व्यवहार कुशलता से बिगड़े कार्यो को भी बनाने की क्षमता रखेंगे। मित्र परिजन विषम परिस्थितियों से बाहर निकालने के लिये आपका सहयोग मांगेंगे।

वृश्चिकः आज आपको अपनी बुद्धि चातुर्य पर गर्व रहेगा। अतिआत्मविश्वास से भरे रहेंगे प्रत्येक कार्य को मामूली समझ कर बाद के लिये टालेंगे।

धनुः आज आपको पूर्व में की किसी गलती अथवा आचरण का अफसोस होगा गलती मान लेने पर आपसी मतभेद शांत होंगे।

मकरः आज का दिन सावधानी से बिताने की सलाह है। दिन के आरंभ से ही मन मे अकारण क्रोध रहेगा।

कुंभः आज का दिन भी आपके धन कोष अथवा अन्य सुख के साधनों में वृद्धि करेगा।

मीनः आज का दिन साधारण रहेगा आज आप अपनी व्यक्तिगत उलझनों के कारण अन्य लोगो को परेशान करेंगे लेकिन ध्यान रहें।

सूर्योदय : 06:43, सूर्यास्त : 05:38, चन्द्रोदय : 16:24, चन्द्रास्त : 30:06, अयन : दक्षिणायणे (दक्षिण गोले), ऋतु : हेमन्त, शक सम्वत :1947 (विश्वावसु), विक्रम सम्वत :2082 (सिद्धार्थी), मास : कार्तिक, पक्ष : शुक्ल, तिथि : पूर्णिमा, नक्षत्र : अश्विनी, योग : सिद्धि, प्रथम करण :गर (12:23 तक), द्वितीय करण :वणिज (22:36 तक)।

॥ गोचर ग्रहः ॥

सूर्य : तुला, चंद्र : मेष (12:34 से), मंगल : वृश्चिक (उदित, पूर्व, मार्गी), बुध : वृश्चिक (उदय, पूर्व, मार्गी), गुरु : कर्क (उदित, पूर्व, मार्गी), शुक्र : तुला (उदित, पश्चिम, मार्गी), शनि : मीन (उदय, पूर्व, वक्री), राहु : कुम्भ, केतु : सिंह।

QUIZ TIME c

1) भारत की पहली स्वदेशी हाई-स्पीड ट्रेन किस कंपनी ने बनाई है?

2) असम के दूसरे राजधानी शहर के रूप में किस शहर की घोषणा की गई है?

3) महामारी तैयारी का अंतर्राष्ट्रीय दिवस किस दिन मनाया जाता है?

4) कौन सा संस्थान सेंट्रल संदिग्ध रजिस्टर विकसित करता है?

5) गुवाहाटी मास्टर्स 2024 बैडमिंटन पुरुष एकल खिताब किसने जीता है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) भारत अपने प्रथम मिनिटेड (2) हिल्लांग (3) 27 सितंबर (4) भारतीय साइकिल अपराध सम्मेलन केंद्र (5) सतीश कुमार कश्यपकरण

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य -218 (भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसीप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कोमल, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. सगता, बराबरी 18. अश्लील, बेहूदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे
1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीनाएगन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसावाला, रसदार 11. गौ का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वशिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक217 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		ब	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

न्यूज गैलरी

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री संजीव कुमार झा ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर के संबंध में मतदाताओं से की अपील

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री संजीव कुमार झा ने प्रदेश के मतदाताओं से स्पेशल इंटेसिव रीविमन (एसआईआर) में सहयोग करने की अपील की है। सीईओ श्री झा ने कहा कि मप्र में विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision - SIR) की प्रक्रिया शुरू हो गई। इस अभियान में बीएलओ 4 नवम्बर 2025 से 4 दिसम्बर 2025 तक सभी विधानसभा क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन (House-to-House Enumeration) करेंगे। इस अवधि में प्रत्येक बूथ लेवल अधिकारी (BLO) मतदाताओं के निवास पर जाकर उनके नाम, पता, आयु एवं अन्य विवरणों का भौतिक सत्यापन करेंगे। निर्वाचन आयोग द्वारा सभी मतदाताओं से इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी एवं पूर्ण सहयोग का आग्रह किया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मप्र श्री झा ने मतदाताओं से अपील की है कि जब बीएलओ आपके घर आएँ, तो कृपया उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान करें।

1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सदस्य का भी बनवाएं ईपीक

बीएलओ के पास पहले से मतदाता सूची 2025 के विवरण के अनुसार आपके नाम, पता और BPIC नंबर सहित प्री-प्रिंटेड एन्यूमरेशन फॉर्म होगा। नागरिकों से अपेक्षा की जाती है कि वे इस फॉर्म में भरी गई जानकारी को ध्यानपूर्वक जाँचे तथा पुष्टि करें। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों में कोई नया सदस्य 1 जनवरी 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका है. उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए बीएलओ द्वारा फॉर्म-6 उपलब्ध कराया जाएगा।

बीएलओ का अधिकृत पहचान पत्र देखकर ही जानकारी करें साझा

सीईओ श्री झा ने बताया कि यदि किसी परिवार सदस्य का निधन हो गया हो या वह अन्यत्र स्थानांतरित हो गया हो, तो उसकी जानकारी भी बीएलओ को दें ताकि सूची से नाम विलोपित किया जा सके। दस्तावेज़ केवल तभी आवश्यक होंगे जब किसी प्रविष्टि का सत्यापन पूर्ववर्ती रिकॉर्ड से मेल न खाए। ऐसी स्थिति में संबंधित निर्वाचन रजिस्ट्री अधिकारी (ERO) अलग से सूचना देकर आवश्यक दस्तावेज़ माँगेगा। बीएलओ आयोग द्वारा अधिकृत पहचान-पत्र लेकर आएँगे, अतः नागरिक उनसे पहचान-पत्र देखकर जानकारी साझा करें।

अंतिम सूची का प्रकाशन होगा 7 फरवरी 2026 को

घर-घर सत्यापन के बाद 9 दिसम्बर 2025 को प्रारूप (Draft) मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। नागरिक 9 दिसम्बर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक अपने नाम संबंधी दावा या आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा।

अभियान का उद्देश्य सभी पात्र मतदाता सूची में रहें

निर्वाचन आयोग ने सभी नागरिकों से अपील की है कि जब बीएलओ आपके घर पहुँचे, तो सटीक एवं अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराएँ। यह अभियान मतदाता सूची की शुद्धता, पारदर्शिता और समावेशिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। नागरिकों के सहयोग से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम सूची में सम्मिलित हो तथा कोई अपात्र प्रविष्टि मतदाता सूची में न रहे।

मंडी शुल्क की चोरी करने वाले के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश

उड़नदस्ते करेंगे आकस्मिक जाँच

भोपाल/नवप्रदेश। फर्जी दस्तावेज के आधार पर कृषि उपज का क्रय-विक्रय कर मंडी शुल्क की चोरी करने वाले के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी। प्रबंध संचालक म.प्र. राज्य कृषि विपणन बोर्ड श्री कुमार पुरुषोत्तम ने सभी आंचलिक अधिकारियों को ऐसे प्रकरणों की जाँच कर दण्डात्मक कार्रवाई के निर्देश दिये हैं। प्रबंध संचालक श्री पुरुषोत्तम ने निर्देश दिये कि कुछ व्यापारियों और परिवहनकर्ताओं द्वारा मंडी शुल्क की चोरी कर मूंगफली का क्रय-विक्रय किया जा रहा है। इसके लिये उनके द्वारा फर्जी दस्तावेज बिल, बिल्टी, अनुज्ञा-पत्र तैयार कर मंडी शुल्क की चोरी की गयी है। मंडी बोर्ड द्वारा इस तरह के क्रय-विक्रय पर नजर रखने के लिये उड़नदस्ते गठित किये गये थे, जिन्होंने गवालियर, चम्बल, सागर और जबलपुर संभाग में कर चोरी पकड़ी गयी है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने पीएम-अभीम एवं 15वें वित्त आयोग अंतर्गत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

प्रशासनिक अड़चनों और ज़मीनी स्तर की बाधाओं का किया जाए त्वरित निराकरण

भोपाल/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में प्रधानमंत्री-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-अभीम) और 15वें वित्त आयोग अंतर्गत क्रियान्वित निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रशासनिक अड़चनों और ज़मीनी स्तर की बाधाओं का त्वरित निराकरण किया जाए, जिससे सभी कार्य समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्वक पूर्ण हो सकें। उन्होंने कहा कि विभागों के बीच सतत सामंजस्य और प्रगति की नियमित निगरानी से ही स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने के लक्ष्य को समय पर प्राप्त किया जा सकता है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य संस्थानों के सुदृढ़ीकरण और नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक परियोजना की सतत समीक्षा करें और सुनिश्चित करें कि सभी कार्य तय समय सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूरे हों। बैठक में एमडी एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और संबंधित परियोजना प्रभारी उपस्थित रहे।

बैठक में बताया कि पीएम-अभीम के तहत प्रदेश में 100 प्रतिशत कार्यों की शुरुआत हो चुकी है। योजना को जनवरी-2025 में एसएनएङ्कस्पर्श पोर्टल पर ऑनबोर्ड किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्राप्त 84 करोड़ 67 लाख रुपये की प्रथम किश्त में से 62 करोड़ 65 लाख रुपये अर्थात 74 प्रतिशत राशि का उपयोग किया जा चुका है। दूसरी किश्त की प्राप्ति के लिए केंद्र सरकार को 30 अक्टूबर 2025 को डी.ओ. पत्र प्रेषित किया गया है।

पीएम-अभीम अंतर्गत 196 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट्स (बीपीएचयू) में सभी कार्य प्रारंभ हो चुके हैं, जिनमें 63 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। 55 इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब्स (आईपीएचएल) में 55 प्रतिशत तथा 50 क्रिटिकल केयर ब्लॉक्स (सीसीबी) में 24 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। योजना की कुल स्वीकृत राशि 1543 करोड़ 40 लाख रुपये है, जिसमें से 862 करोड़ 15 लाख रुपये प्राप्त हुए हैं और अब तक 617 करोड़ 97 लाख रुपये का व्यय किया जा चुका है।

15वें वित्त आयोग के अंतर्गत प्रदेश में 99 प्रतिशत कार्यों की शुरुआत हो चुकी है। 117 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट्स में से 85 का निर्माण पूर्ण किया गया है, शेष पर कार्य प्रगति पर है। भूमि विवादों का निराकरण राज्य एवं जिला स्तर पर किया गया है। 1795 उप स्वास्थ्य केंद्रों (एसएचसी) में से 432 का निर्माण पूर्ण हुआ है और 783 अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में से 586 केंद्र का कार्य पूर्ण हो चुका है। इस मद में कुल 4600 करोड़ 85 लाख रुपये की स्वीकृति के विरुद्ध 3532 करोड़ 93 लाख रुपये प्राप्त हुए हैं और 1581 करोड़ 87 लाख रुपये का व्यय किया गया है

किसानों का 120 ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर भोपाल कूच: बैरसिया में धरना दिया

रास्ते में बेरिकेडिंग कर रोका; कलेक्टर से बात हुई, तब माने

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल से करीब 42 किलोमीटर दूर बैरसिया तहसील परिसर के पास मंगलवार को किसानों ने खाद-बिजली को लेकर हल्ला बोला। यहां उन्होंने धरना प्रदर्शन किया। फिर करीब 120 ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर भोपाल की ओर कूच किया, लेकिन पुलिस ने रास्ते में ही बेरिकेडिंग करके उन्हें रोक दिया। भोपाल जाने की जिद पर अड़े किसानों की एसडीएम आशुतोष शर्मा ने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह से मोबाइल पर बात करवाई। तब जाकर वे पीछे हटे। अपनी 11 सूत्री मांगों के समर्थन में किसानों ने भारतीय किसान संघ के बैनरतले यह प्रदर्शन किया। तहसील परिसर के पास धरना हुआ। सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक धरना चला। इसके बाद किसान करीब 120 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ भोपाल की ओर कूच करने लगे। वे बैरसिया से 5-6 किलोमीटर दूर पहुंचे ही थे कि पुलिस ने बेरिकेडिंग करके रोक दिया। किसानों का कहना था कि उन्हें भोपाल जाने दिया जाए। ताकि, कलेक्टर को वे अपनी समस्या बता सके। इसके बाद यही पर बैरसिया एसडीएम शर्मा ने मोबाइल पर कलेक्टर से किसानों की बात करवा दी। करीब 5 मिनट की चर्चा के बाद किसान माने और प्रदर्शन स्थगित कर दिया। कलेक्टर से मोबाइल पर बात करते हुए किसन संघ के जिलाध्यक्ष गिरवर सिंह राजपूत ने कहा कि हम कई बार मांग उठा चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होती। इस पर कलेक्टर सिंह ने कहा कि आप चिंता मत कीजिए। हम एसडीएम से चर्चा कर लेंगे। आगे किसानों ने कहा-हम भोपाल की ओर कूच करने वाले हैं। वहीं पर आपसे मिलेंगे। रात में कलेक्टोरेट के बाहर ही दाल-बांटी बनाएंगे। इस पर कलेक्टर ने फिर दोहराया कि आप चिंता न करें। हम बात करके समस्याएं दूर करेंगे। किसान संघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी राहुल धूत ने बताया कि 200 ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर 800 से ज्यादा किसान भोपाल पहुंचने वाले थे, क्योंकि रास्ते से करीब 80 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां और शामिल होती। कलेक्टर ने 7 दिन में समस्याएं दूर करने का आश्वासन दिया है। यदि समस्या दूर नहीं हुई तो फिर से बड़ा प्रदर्शन करेंगे।

ऑनलाइन फ्रॉड शिकायतों में क्राइम ब्रांच इंदौर की प्रभावी कार्यवाही

भोपाल/नवप्रदेश। इंदौर कमिश्नरेट क्षेत्र में ऑनलाइन ठगी और आर्थिक अपराधों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा दिए गए हैं। इन निर्देशों के तहत क्राइम ब्रांच इंदौर की साइबर फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन टीम को ऑनलाइन शिकायतों पर त्वरित व प्रभावी कार्रवाई के लिए लगाया गया है।इस क्रम में उल्लेखनीय सफलताएँ प्राप्त करते हुए–वर्ष 2025 में क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस की फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन टीमों ने ऑनलाइन फ्रॉड से

बुंदेलखंड की बेटी क्रांति गौड़ ने विश्व में रोशन किया बुंदेलखंड का नाम : खाद्य मंत्री राजपूत

भोपाल/नवप्रदेश। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के फाइनल में भारत की शानदार जीत की बधाई देते हुए मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के ग्राम घुवारा की महिला क्रिकेट खिलाड़ी क्रांति गौड़ से फोन पर बात की। उन्होंने क्रांति गौड़ को जीत की बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक क्षण है जब हमारी बेटियों ने पूरे विश्व में अपने देश व अपने बुंदेलखंड का नाम रोशन किया। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि जब क्रांति गौड़ लौटकर आएंगी तो उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। क्रांति गौड़ ने धन्यवाद प्रेषित करते हुए कहा कि मुझे भी बहुत अच्छा लग रहा है कि हमारे बुंदेलखंड का नाम विश्व में रोशन हुआ है। हम सभी बहुत खुश हैं कि सभी खिलाड़ियों की मेहनत से भारत ने महिला विश्व कप जीतकर नया इतिहास रचा है।

एमपी में हर वोटर के वेरिफिकेशन के लिए डोर-टू-डोर सर्वे

भोपाल-इंदौर में कलेक्टर मतदाताओं के घर पहुंचे, उज्जैन में SIR के फॉर्म नहीं छपे

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश में मंगलवार से वोटर लिस्ट के गहन परीक्षण यानी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की शुरुआत हो गई है। पहले दिन कई जिलों में लापरवाही नजर आई। उज्जैन में फॉर्म ही नहीं छपे। इससे वोटर को फॉर्म नहीं मिल सके। धार में निर्वाचन कार्य में बड़ी लापरवाही सामने आई। जो फॉर्म दिए जाने थे, उसका दूसरा पेज प्रिंट ही नहीं हुआ। दूसरी ओर, भोपाल और इंदौर में कलेक्टर खुद मतदाताओं के बीच पहुंचे। एसआईआर को लेकर उज्जैन में भी मंगलवार से काम शुरू होना था, पर गणना पत्रक ही नहीं छपे। इस वजह से पहले दिन फॉर्म वोटर्स के पास नहीं पहुंचे। डोर-टू-डोर सर्वे की शुरुआत कब से होगी, यह भी तय नहीं है। ग्वालियर और जबलपुर में फार्म वितरण शुरू हो गया है।

भोपाल के कई मतदान केंद्रों पर पहुंचे कलेक्टर

भोपाल में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह हुजूर विधानसभा के बूथ नंबर-33, 34, 35, 36, 37 और 38 में पहुंचे। यहां उन्होंने मतदाताओं से बात की। वहीं, बीएलओ के काम को भी देखा। कलेक्टर ने बताया, भोपाल में सभी 2029 बूथ लेवल ऑफिसर और 250 सुपरवाइजर काम में लगे हैं। सभी एसडीएम और तहसीलदार भी फिल्ड में घूमकर काम पर नजर रखे हुए हैं। प्रत्येक बीएलओ को 3 बार तक घर जाना होगा और मतदाता को 'गणना पत्रक' देना होगा, जो दो प्रति में होगा। एक मतदाता के पास रहेगी और दूसरी बीएलओ के पास। वर्तमान में भोपाल जिले में कुल 21 लाख वोटर्स हैं। पहले दिन कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने भी कई इलाकों में पहुंचकर फॉर्म वितरित किए। वहीं, सभी एसडीएम और तहसीलदार भी काम में जुटे रहे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता ने बताया कि अगले चार से पांच दिन तक फॉर्म वितरण किया जाएगा। इसके बाद ये फॉर्म कलेक्ट किए जाएंगे। वहीं, आगामी प्रक्रिया होगी।

इंदौर में कलेक्टर ने बुजुर्ग मतदाता से भरवाया फॉर्म

इंदौर जिले में आज से मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम शुरू हो चुका है। अभियान के तहत बीएलओ खुद मतदाताओं के घर पहुंचकर जांच कर रहे हैं। पहले दिन कलेक्टर शिवम वर्मा खुद मतदाता के घर पहुंचे। वे अपनी टीम के साथ इमली बाजार में रहने वाले 95 वर्षीय वासुदेव वर्मा के घर पहुंचे और उन्हें स्ढ्ढक्र से जुड़ी जानकारी दी। उनका फॉर्म भी भरवाया। इस दौरान वासुदेव वर्मा ने कलेक्टर साथ अपना अनुभव भी सांझा किया। इस पर कलेक्टर ने खुशी जताई है। वासुदेव वर्मा ने उन्हें बताया, उन्होंने आज तक सभी चुनाव के दौरान अपने मत का प्रयोग किया है। वे SIR को लेकर भी काफी उत्साहित थे। कलेक्टर भी वर्मा से मिलाकर बेहद खुश नजर आए। इंदौर में एक माह तक मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम चलेगा। इस दौरान फर्जी, डुप्लीकेट और बाहरी लोगों का नाम मतदाता सूची से हटाया जाएगा। अभियान के तहत बीएलओ सभी मतदाताओं के घर-घर पहुंचकर वैरिफिकेशन करेंगे। एसआईआर मंगलवार 4 नवंबर से शुरू होना था। लेकिन उज्जैन जिले में ये काम शुरू नहीं हो पाया है। इसके पीछे कारण पत्रक का उज्जैन तक नहीं पहुंच पाना बताया जा रहा है।

आम जनता तक पहुंचे विभाग की उपलब्धियां और नवाचार की जानकारी : मंत्री सिंह

मंत्रालय में स्कूल शिक्षा विभाग की 2 साल की उपलब्धियों की हुई समीक्षा

भोपाल/नवप्रदेश। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि स्कूल शिक्षा विभाग ने करीब पिछले 2 सालों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने के साथ अनेक नचावार भी किये हैं। उन्होंने कहा कि इसकी जानकारी जनप्रतिनिधियों के साथ आम जनता तक पहुंचाये जाने की जरूरत है। मंत्री श्री सिंह मंगलवार को मंत्रालय में विभागीय उपलब्धियों की समीक्षा कर रहे थे।

मंत्री श्री सिंह ने विभाग की योजनाओं की बिन्दुवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास होगा कि सरकारी स्कूलों के विकास में जनता का अधिक से अधिक सहयोग मिले, इसके लिये और प्रभावी तरीके से प्रयास किये जायेंगे। बैठक में सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल और आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने विभाग में किये जा रहे नवाचारों की जानकारी दी।

एम्स भोपाल: डॉक्टर बोलीं- कमरे में अकेले बैठाकर धमकाया, प्रताड़ित किया

एम्स भोपाल में अपने ही एचओडी डॉ. यूनुस की शिकायत; कहा- मानसिक रूप से टूट गई हूं

भोपाल/नवप्रदेश। एम्स भोपाल में एक बार फिर उत्पीड़न का मामला सामने आया है। ट्रॉमा और इमरजेंसी मेडिसिन विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. श्रुति दुबे ने अपने ही विभागाध्यक्ष डॉ. मोहम्मद यूनुस पर धमकाने, डराने और मानसिक उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। एम्स प्रशासन ने इस शिकायत की पुष्टि की है। शिकायत में कहा गया है कि विभागाध्यक्ष डॉ. यूनुस ने उन्हें अकेले में जबरन कमरे में बैठा कर धमकाया और प्रताड़ित किया। मीटिंग में सबके सामने अपमानित किया। डॉ. दुबे ने कहा कि लगातार मानसिक दबाव और धमकी भरे रवैये के कारण वे खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। यह मामला एम्स की आंतरिक शिकायत समिति (ढ्ढष्टष्ट) तक पहुंच गया है, जिसने इसे संज्ञान में लिया है। वहीं विभागाध्यक्ष डॉ. यूनुस ने सभी आरोपों को झूठा बताया है। उन्होंने कहा कि यह मामला इंटर कंप्लेंट कमेटी के पास है। उन्हें हमने अपनी तरफ से जवाब दे दिया है।

अकेले कमरे में बनाया दबाव

डॉ. श्रुति दुबे ने दो पन्नों की शिकायत में लिखा कि 7 अगस्त 2025 की सुबह 10ः40 बजे डॉ. यूनुस बिना पूर्व सूचना के ढ्ढष्टष्ट के काउंसलिंग रूम में आए और उन्हें ट्रॉमा विभाग में ड्यूटी जॉइन करने का आदेश दिया। जब उन्होंने बताया कि एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर के आदेश के अनुसार उनकी पोस्टिंग ढ्ढष्टष्ट में है, तो डॉ. यूनुस ने जवाब दिया कि ऐसे ऑर्डर्स की कोई वैल्यू नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि आदेश न मानने पर उनके अप्रूवल पीरियड

डॉ. मोहम्मद यूनुस

पर असर पड़ेगा। डॉ. दुबे ने आरोप लगाया कि डॉ. यूनुस ने उन्हें बार-बार धमकाया, मानसिक रूप से दबाव डाला और झूठे आरोप लगाए। उन्होंने लिखा मुझे जबरन अपने साथ बैठाए रखा गया। कमरे में मैं अकेली थी और असहज महसूस कर रही थी।

धमकी और अपमान का आरोप

डॉ. दुबे ने शिकायत में आगे कहा- इसके बाद 11 बजे विभागीय बैठक में भी उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया। डॉ. यूनुस ने वहां मौजूद फैकल्टी और रेजिडेंट्स के सामने कहा कि डॉ. दुबे ने ट्रॉमा में ड्यूटी के लिए हामी भर दी है, जबकि ऐसा नहीं था। विरोध करने पर उन्होंने सबके सामने चिल्लाकर कहा, तुम्हारी यहां जरूरत नहीं है।

नौकरी छोड़ने पर कर रहीं विचार

डॉ. दुबे ने लिखा कि इन घटनाओं के कारण वे मानसिक रूप से टूट गई हैं और कार्यस्थल पर खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा मैं अपने करियर की शुरुआत में हूं, लेकिन इस माहौल में काम करना मेरे मानसिक स्वास्थ्य और करियर दोनों को खतरे में डाल सकता है। उन्होंने ढ्ढष्टष्ट से अपील की कि उन्हें सुरक्षित, सम्मानजनक और गैर-धमकीपूर्ण माहौल प्रदान किया जाए। ऐसा ना होने पर वे नौकरी नहीं कर सकेंगी। विभाग की एक अन्य महिला डॉक्टर के अनुसार, ट्रॉमा और इमरजेंसी विभाग की एक अन्य वरिष्ठ महिला प्रोफेसर ने भी डॉ. युनूस के पक्ष में प्रबंधन को लिखित और मौखिक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि विभाग में अनुशासन बनाने के लिए ॥ह्रष्ठ ने डॉ. दुबे को मीटिंग में बुलाया था। विभाग के काम की जिम्मेदारी दी थी। लेकिन वे इससे हमेशा बचती रहीं। जब उनसे

महतारी वंदन योजना की 14 हजार हितग्राहियों का ई-केवायसी कराने की अपील

कांकेर/नवप्रदेश। राज्य शासन के द्वारा सभी हितग्राहीमूलक योजनाओं के तहत् लाभ प्राप्त करने वाले हितग्राहियों का ई-केवायसी कराये जाने के निर्देश दिये गये हैं। उक्त निर्देश के अनुक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की महतारी वंदन योजना के तहत लाभान्वित हितग्राहियों का ई-केवायसी कराया जाना है। कांकेर जिले में महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह औसतन 180001 महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि इनमें से लगभग 1 लाख 64 हजार महिलाओं का सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत् राशन कार्डधारी होने के कारण खाद्य विभाग के द्वारा ई-केवायसी किया जा चुका है तथा इन्हीं महिलाओं को महतारी वंदन के तहत लाभान्वित किये जाने के आधार पर दोनों योजनाओं के कॉमन हितग्राही होने के कारण इन्हें महतारी वंदन योजना के तहत् पृथक से ई-केवायसी कराये जाने की आवश्यकता नहीं है। इस प्रकार कांकेर जिले में महतारी वंदन योजना से लाभान्वित शेष लगभग 14 हजार महिलाओं का ही ई-केवायसी कराया जाना है क्यांकि इनका ई-केवायसी खाद्य विभाग द्वारा नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि इन महिलाओं के नाम/सूची संबंधित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के महतारी वंदन एप के लॉगिन आईडी में उपलब्ध हैं। केवल इन्हीं महिलाओं का ई-केवायसी निकट के कॉमन सर्विस सेन्टर में जाकर निःशुल्क कराया जा सकता है। महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा राज्य स्तर से चिप्स को नोडल एजेंसी बनाते हुए उनके अधीनस्थ संचालित कॉमन सर्विस सेन्टर के माध्यम से उक्त कार्य निःशुल्क कराये जाने के निर्देश दिये जा चुके हैं। अतः महतारी वंदन योजना से लाभान्वित ऐसी समस्त महिलाएं जिनका ई-केवायसी खाद्य विभाग द्वारा नहीं कराया जा सका है, केवल वे महिलाएं ही आवश्यक अभिलेखों सहित निकट के कॉमन सर्विस सेन्टर सीएससी में उपस्थित होकर अपना ई-केवायसी तत्काल पूर्ण करायें, ताकि उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत निरंतर लाभांवित किया जा सके। यह विशेष रुप से उल्लेखनीय है कि महतारी वंदन योजना से लाभान्वित जिन महिलाओं का ई-केवायसी सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत् खाद्य विभाग द्वारा कर लिया गया है। उन्हें पृथक से महतारी वंदन योजना के तहत् ई-केवायसी कराये जाने की आवश्यकता नहीं है। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए निकट की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं पर्यवेक्षक से सम्पर्क किया जा सकता है।

आंगनबाड़ी सहायिका के लिए दावा आपत्ति 12 नवम्बर तक आमंत्रित

कोरिया /नवप्रदेश। एकीकृत बाल विकास परियोजना सोनहत अंतर्गत आंगनबाड़ी सहायिका पद की पूर्ति हेतु मूल्यांकन समिति की बैठक पश्चात् चयनित सूची का प्रकाशन कार्यालय जनपद पंचायत सोनहत एवं एकीकृत बाल विकास परियोजना सोनहत के सूचना पटल पर चश्या कर दी गई है। आंगनबाड़ी सहायिका, आंगनबाड़ी केन्द्र चेरवापारा (चन्दहा) के रिक्त पदों पर दावा आपत्ति के आवेदन पत्र प्राप्त करने हेतु 12 नवंबर 2025 तक नियत किया गया है। दावा आपत्ति के आवेदन पत्र कार्यालय परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना सोनहत में जमा की जावेगी। दावा आपत्ति के आवेदन पत्र अवकाश के दिनों को छोड़कर कार्यालयीन समय एवं दिवस में ही स्वीकार की जावेगी। निर्धारित तिथि एवं समय पश्चात् किसी प्रकार के दावा आपत्ति के आवेदन पत्र स्वीकार नहीं होगें।

बाल विवाह मुक्त करने चलेगा अभियान

कोरिया /नवप्रदेश। जिले में बाल विवाह रोकने हेतु जिला प्रशासन ने अभियान को गति दी है। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने सभी विभागों को अभियान की रणनीति के साथ विस्तृत दिशा-निर्देश दिए हैं। जिले में लगातार निगरानी और सतर्कता के बाद बाल विवाह के प्रकरण संज्ञान में कमी आई है। जिले ने लग्न मुहर्त के मद्देनजर बाल विवाह की आशंकाओं के तहत विशेष सर्तकता बरतने के भी निर्देश दिए हैं। विभाग के निर्देशों के बाद विभागीय अमला फील्ड में निगरानी कर रहा है।

बाल विवाह में कमी लाने हेतु विभाग द्वारा समाज प्रमुखों की बैठक ली गई थी, जिसमें समाज प्रमुखों को बाल विवाह न होने के लिए दिशा निर्देश दिए गये साथ ही समाज में बाल विवाह न हो इसके लिए सभी समाज प्रमुखों को अपने स्तर पर समाजिक बैठक लेकर बाल विवाह रोकने में अपनी भुमिका निभाने का आग्रह किया गया। जिले में सास-बहु सम्मेलन कराया गया जिसमें सास-बहुओ को बाल विवाह की जानकारी प्रदान की गई एवं सपथ दिलाया गया कि बाल विवाह रोकथाम हेतु प्रयास किया जायेगा। बाल विवाह के खिलाफ व्यापक जन जागरण अभियान के तहत गांवों में मुनादी, दीवार लेखन, पाम्पलेट वितरण, रैली के माध्यम से समाज को जागरूक किया जा रहा है।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बाल विवाह मुक्त कोरिया अभियान के तहत विभाग द्वारा सभी संबंधित विभागों, पंचायत प्रतिनिधियों और समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों से सहयोग की अपील की है। बाल विवाह की सूचना पर तत्काल बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, नजदीकी थान प्रभारी, चाईल्ड हेल्प लाईन 1098, महिला हेल्प लाईन 181 पर जानकारी देने का अनुरोध किया गया है। बाल विवाह को गंभीर कानून अपराध मानते हुए दो साल की सजा या एक लाख रूपए तक जुर्माना या दोनो प्रावधान हैं।

ग्रामीण आजीविका संसाधनों और पक्के आवासों से खुल रही विकास की नई राह

कोरिया/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष पर जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर स्थित मिनी स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का प्रदर्शनी स्टॉल आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहाँ प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का मॉडेल, स्वच्छ भारत मिशन, मनरेगा एवं अमृत सरोवर जैसी योजनाओं की झलकियाँ दिखाई गई हैं। साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत संचालित महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित विविध उत्पादों की प्रदर्शनी भी लोगों को विशेष रूप से आकर्षित कर रही है।

शुभारंभ पर हितग्राहियों को मिली खुशियों की चाभी: राज्योत्सव के शुभारंभ अवसर पर क्षेत्रीय विधायक श्री भइयालाल राजवाड़े ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के स्टॉल का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत नव-निर्मित आवासों की प्रतीकात्मक चाभी ग्राम पंचायत भांड़ी के हितग्राही श्री रामस्वरूप, श्रीमती सुमरी, श्रीमती लालो तथा श्रीमती बइया को प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

जिले में 3,367 परिवारों को मिला पक्का घर: कोरिया जिले में जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर के 2,432 और जनपद पंचायत सोनहत के 935 हितग्राहियों ने अपने नवनिर्मित प्रधानमंत्री आवास में गृहप्रवेश किया है। इस प्रकार कुल 3,367 परिवारों के जीवन में पक्के मकान की खुशियाँ साकार हुई हैं।

वोकल फॉर लोकल थीम बनी आकर्षण का केंद्र :बिहान से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा ÷कोरिया अमृत÷ ब्रांड के अंतर्गत तैयार उत्पादों का विशेष स्टॉल लगाया गया है। इनमें कोरिया मोदक, अचार, मिलेट कुकीज़, वंदना मसाले, टेराकोटा शिल्प, बांस कला, सोन हनी, सुगंधित चावल, पीनट बटर, पीनट पिकल और कर्मा उत्पाद शामिल हैं।

दस महीने बाद अंततः भाजपा की जिला कार्यकारिणी घोषित

कार्यकारिणी में दिखा कलार समाज का दबदबा, दुर्गूकोंदल, सरोना, धनेलीकन्हार, आमाबेड़ा, हाराडुला, कोयलीबेड़ा के नेताओं को नहीं मिली जगह

- जिलाध्यक्ष के इर्दगिर्द परिक्रमा वालो की बल्ले बल्ले
- वरिष्ठ जमीनी नेताओ को स्थान नहीं प्रदेश संगठन से मिलने की तैयारी
- क्या बदलेगा जिला भाजपा कार्यकारिणी से चेहरा या रहेगा यथावत!!

आखिर कब होगी जिला भाजपा की जिला कार्यकारिणी की घोषणा!

कांकेर/नवप्रदेश। भाजपा की जिले की कार्यकारिणी अंततः दस महीने बाद जारी कर दिया गया। जिसमें 29 सदस्यीय कार्यकारिणी में 11पदाधिकारी शहर मंडल ग्रामीण मंडल से 02 कोरर से 01भानुप्रतापपुर से 03 चारामा से 02 नरहरपुर 02 को जगह दिया गया है।

दैनिक नवप्रदेश ने 22 सितम्बर 2025 को जिले की कार्यकारिणी नहीं बनाने की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। दैनिक नवप्रदेश ने यह भी बताया था कि जिले में वरिष्ठ भाजपा नेताओं को जिले की कार्यकारिणी में स्थान नहीं मिलने से भाजपा के खिलाफ़मोर्चा खोल सकते है।बता दें कि दैनिक नवप्रदेश ने पहले ही इस बात के संकेत दिए थे कि भाजपा के जिले की कार्यकारिणी गठन में निष्ठावान जमीन से जुड़े कार्यकताओं को जगह नहीं मिलने पर बगावती तेवर दिखा सकते है।कांकेर भाजपा कार्यकारिणी की जाती समीकरण की।बात करे तो भाजपा जिला कार्यकारिणी में कलार समाज का दबदबा देखने को मिला है।

भाजपा प्रदेश संगठन से नाराज़ नेता मिलने की तैयारी में

भाजपा जिलाध्यक्ष की कार्यकारिणी घोषणा में हमारे विश्वस्त सूत्रों की माने तो भाजपा के वरिष्ठ नेता जमीन से जुड़े नेताओं को स्थान नहीं मिलने से नाराज़ भाजपा नेताओ का एक प्रतिनिधि मंडल राजधानी रायपुर में प्रदेश संगठन के प्रमुख नेताओं से रायशुमारी के लिए जाने की तैयारी किया जा रहा है। बाहर हाल भाजपा कार्यकारिणी के साथ तरजीह नहीं मिलने वाले नेता बगावती तेवर दिखाने की नवप्रदेश ने पहले ही बता दिया था। खैर जल्द भाजपा जिलाध्यक्ष की कार्यकारिणी पर क्या बदले जाएंगे चेहरे या फिर नाराज कार्यकर्ताओं को अन्य जगह स्थान देकर मामले को अंदर खाने में खत्म किया जाएगा!

भाजपा की जिला कार्यकारिणी में जिले के कई ब्लाकों के नेताओ का नाम गायब

भाजपा ज़िला कार्यकारिणी के घोषणा के बाद भाजपा का तालमेल बैठता दिख नहीं रहा है। भाजपा जिलाध्यक्ष के द्वारा जारी नवीन कार्यकारिणी की बात करे तो दुर्गूकोंदल ब्लॉक सरोना धनेलीकन्हार आमाबेड़ा हाराडुला कोयलीबेड़ा इन जगहों के भाजपा नेताओं को जिले कार्यकारिणी में स्थान नहीं मिलने से जमीन से जुड़े कार्यकताओं में नाराज़गी साफ देखी जा सकती है।

ऐसी स्थिति में भाजपा से जुड़े वरिष्ठ नेताओं को भी तरजीह नहीं मिली जिसके कारण भाजपा में असंतोष के सुर पनप रहे हैं। बाहर हाल भाजपा कार्यकारिणी घोषणा के बाद अस्तुष्ट नेताओ का रुख किस ओर जाएगा उस समय का इंतजार करना होगा।

जिलाध्यक्ष के इर्दगिर्द परिक्रमा वाले नेताओं की बल्ले बल्ले

भाजपा जिलाध्यक्ष की दस महीने बाद हुई घोषणा के साथ यह तो स्पष्ट हो गया कि जिलाध्यक्ष के इर्दगिर्द परिक्रमा करने वाले नेताओं को मनचाहा पद से सुशोभित कर दिया गया। लेकिन जिले में ऐसे कई निष्ठावान जमीन से जुड़े नेता जिन्होंने भाजपा सत्ते में रही हो या सत्ते से बाहर बिल्कुल ईमानदारी से भाजपा का झंडा बुलंद कर भाजपा को जिताकर प्रदेश की सत्ता तक पहुंचाने वाले कट्टर नेताओं की उपेक्षा भाजपा के लिए आगामी चुनाव में मुसीबत पैदा न कर दे इस बात की चर्चा जोरो पर दिखाई दे रहा है।

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य बीएलओ ने किया शुरू

कांकेर/नवप्रदेश। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण-2025 (एसआईआर) के तहत घर-घर जाकर मतदाताओं के सत्यापन का कार्य मंगलवार 04 नवम्बर से प्रारंभ हो जाएगा। आयोग द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों को सभी बीएलओ बेहतर ढंग से निर्वहन कर सकें, इसे लेकर आज बीएलओ (बूथ लेबल ऑफिसर्स) को प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें उनके दायित्वों के संबंध में आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों और निर्देशों की जानकारी दी गई। आज सुबह 11 बजे जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने उपस्थित सभी बीएलओ को निर्देशित किया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राज्य में भी विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है, जिसमें बीएलओ की महती एवं महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा दी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन सभी बीएलओ पूरी सजगता और गंभीरता से करें। आयोग द्वारा मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 07 फरवरी को किया जाएगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने कहा कि एसआईआर के प्रत्येक कार्य के लिए समय-सीमा तय है। बीएलओ को सभी मतदाताओं के घर जाकर निर्धारित प्रारूप में सत्यापन कराना बेहद महत्वपूर्ण और आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि सत्यापन के संबंध में फील्ड में किसी प्रकार का संशय होने की स्थिति में बीएलओ अपने उच्चाधिकारियों से परामर्श अवश्य लें। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा बीएलओ के दायित्वों की विस्तारपूर्वक जानकारी पीपीटी के माध्यम से दी गई। इस दौरान उन्हें घर-घर जाकर गणना, पते का मानकीकरण, गणना पत्रक प्रारूप का उपयोग करना, फॉर्म का निष्पादन- प्रक्रिया एवं समय-सीमा, पर्यवेक्षण एवं जांच, दस्तावेज अपलोड करने के लिए वेबसाइट, ई-रोल मैपिंग डाटा, व्यावहारिक सुझाव, प्रारूप नामावली का प्रकाशन आदि के संबंध में व्यावहारिक एवं तकनीकी जानकारी से सभी बीएलओ को अवगत कराया गया। इस दौरान अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जितेन्द्र कुमार कुर्रे ने बीएलओ की ओर से पूछे गए प्रश्नों का समाधान किया और आयोग के निर्देशों का अक्षरशः पालन करने हेतु निर्देशित किया।

उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य हेतु तिथिवार कार्यक्रम घोषित किया गया है, जिसके तहत 04 नवम्बर से 04 दिसम्बर तक बीएलओ के द्वारा घर-घर जाकर मतदाता सूची में प्रविष्टि मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा। बी.एल.ओ, (बूथ स्तरीय अधिकारी) नए मतदाता को शामिल करने के लिए फॉर्म 6 और घोषणा पत्र एकत्र करेंगे और मिलान/लिंकिंग (आधार से जोड़ना) में सहायता करेंगे। मतदाता को ई.एफ (इलेक्टोरल फॉर्म) भरने में मदद करेंगे उसे एकत्र करेंगे और ई.आर.ओ./ए.ई.आर.ओ. को जमा करेंगे। प्रत्येक मतदाता के घर का कम से कम 3 बार दौरा करेंगे। मतदाता, विशेषकर शहरी मतदाता/अस्थायी प्रवासी, ई.एफ ऑनलाइन भी भर सकते हैं। इसके अलावा बीएलओ मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित तथा एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत मतदाताओं की पहचान करेंगे। ईआरओ/एईआरओ को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी पात्र नागरिक छूटा नहीं हो और कोई भी अपात्र व्यक्ति का नाम उसमें शामिल न हो। इस अवसर पर नरहरपुर एवं कांकेर ब्लॉक के बीएलओ तथा निर्वाचन से संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कृषि यंत्रों के परिचालन एवं महत्व पर कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

कांकेर/नवप्रदेश। कृषि क्षेत्र में कृषि यंत्रीकरण का उपयोग विभाग फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत कृषि यंत्रीकरण का उपयोग विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र कांकेर में प्रशिक्षण कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. बीरबल साहू ने कृषि अभियांत्रिकी का कृषि में महत्व के बारे में जानकारी दी। तत्पश्चात प्रमुख परियोजना अन्वेषक एवं विभागाध्यक्ष फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर डॉ. राजेश कुमार नायक द्वारा खेत की तैयारी एवं बुवाई हेतु विभिन्न कृषि यंत्रों का उपयोग के संबंध में चर्चा की गई। उन्होंने कृषकों को जानकारी देते हुए बताया कि खेत में मिट्टी के बेलों को तोड़कर भुरभुरी करने हेतु रोटावेटर, नाली या मेड़ बनाने हेतु रीजर, मिट्टी को फोड़ने हेतु कल्वेटर, कम्बाईनड हार्वेस्टर आदि यंत्रों का उपयोग कर सकते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित सहायक कृषि अभियांत्रिकी श्री प्रवीण वर्मा ने कहा कि कृषकों को श्रमिकों के अनुपलब्धता को ध्यान में रखते हुए सभी कृषकों को यंत्रीकरण अपनाने की नितांत आवश्यकता है। कृषि केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. नरेन्द्र हरिदास तायड़े ने भी कृषि उपयोगी यंत्रों के परिचालन एवं रखरखाव के संबंध में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में कृषकों को उपयोगी कृषि यंत्र प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में शाहवाड़ा, पुसावण्ड एवं कोटेला के अनुसूचित जाति वर्ग के 52 कृषक सम्मिलित हुए।

वनोपज अध्यक्ष नितिन पोटाई पहुंचे प्रशिक्षण शिविर में, कहा वनोपज हमारे जीविका के आधार

- लघु वनोपज हर्रा, बेहरा कचरिया संग्रहण हेतु प्रशिक्षण

कांकेर/नवप्रदेश। आगामी उत्पादित होने वाले लघु वनोपज हर्रा कचरिया एवं बेहरा कचरिया के उचित संग्राहण एवं रख रखाव को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन लाख विस्तार एवं प्रशिक्षण केन्द्र माकड़ी में रखा गया था। शिविर में उपस्थित प्रशिक्षार्थियों को उत्तम किस्म के हर्रा कचरिया एवं बेहरा कचरिया के उत्पादन, संग्रहण एवं रख रखाव संबंधी तकनीकी ज्ञान प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए जिला वनोपज सहकारी संघ के अध्यक्ष नितिन पोटाई ने कहा कि यहा पाये जाने वाले वनोपज हमारे जीविका के आधार है। इसलिए इनका विनाशपूर्ण विदोहन किया जाना चाहिए। तेजी से घट रहे वन हम सब के लिए चिन्ता का विषय है। 1990 के पूर्व कांकेर अंचल में बहुतायत मात्रा में हर्रा का संग्राहण होता था। लेकिन अब इसका उत्पादन कम हो रहा है। जबकि इसका व्यापारिक महत्व बहुत ज्यादा है। इसलिए हम सबका यह प्रयास हो कि हम इसका अधिक से अधिक उत्पादन कर सके।

वनोपज अध्यक्ष नितिन पोटाई ने बताया कि जिला वनोपज सहकारी संघ द्वारा स्वसहायता समूह के माध्यम से आगामी दिसम्बर माह में हर्रा कचरिया का संग्राहण होगा। वहीं जनवरी माह से बेहरा कचरिया का संग्राहण प्रारंभ होगा जिसके लिए न्यूनतम समर्थ मूल्य लागू कर दिया गया है। जहां हर्रा कचरिया प्रति किलो 25 रूपये की दर से खरीदी की जायेगी वही बेहरा कचरिया 20 रूपया प्रति किलो की दर से खरीदी की जायेगी। उन्होने कहा कि शासन एवं राज्य वनोपज सहकारी संघ द्वारा लंघु वनोपज संग्राहकों का वनोपज न्यूनतम समर्थन मूल्य में खरीदी कर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है। अतः हम सब वनोपस संग्राहण के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं इमानदारी से कार्य करें।

जिला वनोपज सहकारी संघ कांकेर के अंतर्गत कार्यरत 21 प्राथमिक समितियों में से पलेवा, मर्दापोटी, कांकेर, पटौद, जामगांव, समिति के प्रबंधकगण शिविर में भाग लेकर प्रशिक्षण लिया । प्रशिक्षार्थियों को एस डी ओ जसबीर मरावी ने भी सम्बोधित किया तथा हर्रा एवं बेहरा संग्राहण के तकनीकी एवं बारिकियों को समझाया। इस अवसर पर एसडीओ फॉरेस्ट जसबीर मरावी, अजय भास्वानी, प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति के प्रबंधक रत्ती राम कोमरा, संतोष बघेल, शिवप्रसाद दर्रो, कमलेश मरकाम, दिनेश साहू, किशोर देहारी, श्यामलाल वट्टी, सखा राम उसेण्डी, तामेश्वर भंडारी, आशुतोष प्रसाद, पुष्पलता कवर सहित कांकेर एवं नरहरपुर विकास खण्ड के हर्रा संग्राहक कृषक उपस्थित थे।

प्रथम पेज का शेष

बिहार में पीएम मोदी की...

चुनाव पर थोड़ा बहुत असर पड़ेगा, जबकि 19 प्रतिशत लोगों ने माना कि चुनाव में पीएम मोदी की लोकप्रियता का जादू नहीं चलेगा।

आईएएनएस-मैटराइज सर्वे में प्रदेश की जनता से मुख्यमंत्री के रूप में पहली पसंद कौन होंगे, इस सवाल पर भी राय ली गई है। सर्वे में मुख्यमंत्री की पहली पसंद के तौर पर नीतीश कुमार (जेडीयू) को 46 प्रतिशत लोगों ने पसंद किया है। मतलब साफहै कि 20 साल के शासन के बाद भी नीतीश कुमार की छवि जनता के बीच आज भी चमक रही है। सर्वे में पसंदीदा सीएम चेहरे के तौर पर दूसरे नंबर पर तेजस्वी यादव (राजद) को 15 प्रतिशत लोगों ने पसंद किया है।

कानून-व्यवस्था को बेहतरीन माना

आईएएनएस-मैटराइज सर्वे में प्रदेश की जनता ने लालू राज से नीतीश कुमार के शासन को कानून-व्यवस्था के मामले में बेहतरीन माना है। 73 प्रतिशत जनता ने सर्वे में माना कि नीतीश कुमार की सरकार में बिहार की कानून-व्यवस्था शानदार रही है, जबकि लालू यादव की सरकार के समय की कानून-व्यवस्था को 12 प्रतिशत लोगों ने अच्छा माना है।

सुप्रीम कोर्ट ने ऑनलाइन...

कोर्ट ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार अपने जवाब की प्रति पहले ही याचिकाकर्ताओं के वकीलों को दे, ताकि अगर वे कोई जवाब दाखिल करना चाहें, तो जल्द कर सकें। 'ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन अधिनियम, 2025' पहला केंद्रीय कानून है, जो ऑनलाइन जुए वाले गेम्स पर रोक लगाता है। इस कानून को दिल्ली, कर्नाटक और मध्य प्रदेश की हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। वरिष्ठ वकील सीए सुंदरम ने कोर्ट को बताया कि इस कानून के चलते यह पूरा व्यवसाय एक महीने से अधिक समय से बंद पड़ा है। सुनवाई के दौरान एक अन्य वकील ने कहा कि इस मामले में एक नई याचिका दायर की गई है, लेकिन उसे सूचीबद्ध नहीं किया गया है। अब यह मामला 26 नवंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। सुंदरम कहा, मैं एक शतरंज खिलाड़ी हूं और यह मेरा जीविका का साधन है। मैं एक एप लॉन्च करने वाला था। इस पर जस्टिस पारदीवाला ने कहा, भारत अजीब देश है। आप खिलाड़ी हैं, खेलना चाहते हैं, यह आपकी आजीविका का साधन है, इसलिए आप कार्यवाही में शामिल होना चाहते हैं। वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता ऑनलाइन मैच में हिस्सा लेते हैं और इसके लिए भागीदारी शुल्क भी देते हैं। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि उनकी याचिका को भी बाकी लंबित याचिकाओं के साथ जोड़ दिया जाए।

सीएम यादव के मौलिक

रणनीति तैयार कर विकसित भारत के राष्ट्रीय विजन में भागीदार बनने के लिए प्रेरित करेगा। समावेशी दृष्टि से यह डॉक्यूमेंट सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। संस्कृति और परम्परा के साथ आधुनिकता का संगम प्रदेश को नई पहचान देगा। आत्मनिर्भर, समृद्ध और विकसित मध्यप्रदेश की कल्पना को धरातल पर उतारा जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के स्थापना दिवस को अपने मौलिक और कल्पनाशील विचारों से ऐसा अभिनव स्वरूप दिया है, जो आने वाले समय में प्रदेश में प्रगति के प्रयासों से नए परिदृश्य की रचना में सहायक होगा।

बॉल गर्ल से वर्ल्ड

असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है।

यह है मध्यप्रदेश की शेरनी क्रांति गौड़ की कहानी - जिसने अपने जुनून, मेहनत और हिम्मत से न केवल क्रिकेट के मैदान पर इतिहास रचा, बल्कि भारत का परचम पूरी दुनिया में लहराया।

संस्कार से ही जीवन

संस्था का अभिनंदन करते हुए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि संस्कारधानी जबलपुर को ईश्वर और माँ नर्मदा ने परम सौभाग्य दिया है, जिसकी बदौलत आज संस्था के द्वारा महत्वपूर्ण कार्यों की शुरूआत यहां से की जा रही है। यहाँ आने से केवल एक दैवीय आशीर्वाद ही नहीं मिलता, बल्कि यहाँ से जाने वाले जन्म-जन्मांतर तक महंत स्वामियों से भी दुनिया भर के संतों का आशीर्वाद मिलता है। यहाँ के वातावरण में एक ऐसी ऊर्जा है जो हमें निरंतर प्रेरित करती है। साथ ही कहा कि आज़ादी के अमृत काल में हमें वही आत्मविश्वास मिला है जो आत्मबल हमारे भीतर भगवान ने रखा था, वही अब पुनः प्रकट हो रहा है। बीएपीएस संस्था के वरिष्ठ संत पूज्य ज्ञानानंद स्वरूप स्वामी जी ने प्रकल्पों की जानकारी देते हुए बताया कि %चलो बनें आदर्श% प्रकल्प वीडियो के माध्यम से प्राथमिक शाला के विद्यार्थियों में बचपन से ही जीवन मूल्यों की सुदृ? आधारशिला रखता है। यह प्रोजेक्ट पहले से ही गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान सहित पांच राज्यों की 23 हजार शालाओं में सफलतापूर्वक चल रहा है, जिसका लाभ 45 लाख से अधिक विद्यार्थी ले रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में

ऐलान किया है।

रेस्क्यू टीम ने बच्ची को बोगी से सुरक्षित निकाला, बच्ची का चल रहा इलाज कोरबा पैसेंजर ट्रेन और एक मालगाड़ी की टक्कर के बाद एक बच्ची को बोगी से सुरक्षित निकाला गया है। बच्ची को अंदरूनी चोटें आई हैं, जिसका रेलवे अस्पताल में इलाज चल रहा है। बच्ची का नाम ऋषि यादव बताया जा रहा है। बिलासपुर के ज़िला कलेक्टर संजय अग्रवाल ने एएनआई को बताया कि यह हादसा बिलासपुर के पास एक लोकल ट्रेन और एक मालगाड़ी के आखिरी और पहले डिब्बे के बीच टक्कर के कारण हुई। बचाव कार्य जारी है।

न्यूज गैलरी

भारत ज्ञान साझा करने और सीखने की शक्ति दिखाता है : नोबेल फाउंडेशन की कार्यकारी निदेशक

बेंगलुरु। नोबेल फाउंडेशन की कार्यकारी निदेशक हन्ना स्टर्जेन ने सोमवार को कहा कि आज का दिन इस बात का एक बेहतरीन उदाहरण बना कि हम किस प्रकार एक साथ आकर बातचीत कर भविष्य के लिए जरूरी आपसी ज्ञान को साझा कर एक-दूसरे से सीख सकते हैं। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी) में नोबेल प्राइज डायलॉग के साइडलाइन में न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए स्टर्जेन ने कहा कि भारतीय छात्रों और शोधकर्ताओं द्वारा दिखाया गया 'उत्साह और जिज्ञासा' सीखने और सहयोग के प्रति भारत की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, जब हम इस तरह की बैठकें आयोजित करते हैं तो हम कई पुरस्कार विजेताओं को एक साथ एक मंच पर लाते हैं। ये सभी पुरस्कार विजेता यहां बातचीत करने और सवालों के जवाब देने के लिए आते हैं। स्टर्जेन ने कहा, इस तरह के आयोजन छात्रों, जनता और पुरस्कार विजेताओं के बीच विचारों का आदान-प्रदान करने का माध्यम बनते हैं। यह एक ऐसा महत्वपूर्ण अवसर बन जाता है, जहां सभी को एक-दूसरे से सीखने को मिलता है। उन्होंने बेंगलुरु सत्र की सफलता की प्रशंसा करते हुए कहा कि, आज के सेशन में इतने सारे प्रश्न थे कि हम इस चर्चा को और अधिक समय तक जारी रख सकते थे। उन्होंने उत्सुकता जताते हुए कहा कि मैं कल मुंबई में दर्शकों द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों को सुनने के लिए तैयार हूं। स्टर्जेन ने कहा, मैं मुंबई में ऑडियंस द्वारा कल पूछे जाने वाले सवालों को सुनने के लिए बहुत उत्सुक हूं।

मिरर ने लॉन्च किया सिज़ल: महिलाओं की सेक्शुअल वेलनेस के लिए साइंस-बैक्ड सपोर्ट

नई दिल्ली। महिलाओं की वेलनेस इनोवेशन में अग्रणी ब्रांड मिरर ने आज अपना नया प्रोडक्ट सिज़ल लॉन्च किया, एक ऐसा न्यूट्रास्यूटिकल जो महिलाओं को इंटिमेसी, एनर्जी और बैलेंस दोबारा पाने में मदद करता है। सिज़ल में नेचर और साइंस का परफेक्ट ब्लेंड है, इसमें अडैप्टोजेन्स, एमिनो एसिड्स, विटामिन्स और मिनरल्स शामिल हैं, जो डिज़ायर को फिर से जगाने, एनर्जी बढ़ाने और इमोशनल कनेक्शन मजबूत करने में मदद करते हैं। ÷लो लिबिडो सिर्फ इंटिमेसी की बात नहीं है – ये एनर्जी, कॉन्फिडेंस और अपने आप व अपने पार्टनर से जुड़ाव की भावना से जुड़ा होता है,÷ मिरर के फाउंडर और सीईओ संजित शेट्टी ने कहा। ÷सिज़ल महिलाओं को उनकी पूरी वाइटैलिटी अपनाने, स्ट्रेस से जुड़ी लिबिडो की गिरावट कम करने और बैलेंस दोबारा पाने में एक सेफ नैचुरल तरीका देता है।÷ कई महिलाएं, खासकर 30 के बाद, हॉरमोनल बदलाव और लाइफस्टाइल स्ट्रेस की वजह से सेक्शुअल डिज़ायर में कमी महसूस करती हैं।

आय में 128% और मुनाफे में 138% की बढ़ोतरी

जीएचवी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स कंपनी ने दूसरे क्वार्टर में मजबूत वृद्धि हासिल की

मुंबई। जीएचवी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (क्ष्स्थ्र-505504) कंपनी ने 30 सितंबर, 2025 को समाप्त दूसरे तिमाही और अर्धवार्षिक अवधि के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। कंपनी ने इस अवधि के दौरान आय में 128% और मुनाफे में 138% की बढ़ोतरी दर्ज की है।

उल्लेखनीय है कि जीएचवी इंफ्रा सड़क, रेल, पानी, एयरपोर्ट रनवे, बंदरगाह और ऊर्जा क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के साथ-साथ स्टील, रिफाइनरी, तेल और गैस पाइपलाइन्स, बड़े कारखाने आदि के औद्योगिक विकास तथा औद्योगिक, वेयरहाउसिंग, कॉमर्शियल, आवासीय, होटल, संस्थान, अस्पताल, प्लांट और नॉन-प्लांट इमारतों के EPC/टर्नकी प्रोजेक्ट्स के क्रियान्वयन से जुड़ी हुई कंपनी है। जीएचवी इंफ्रा कंपनी ने 30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही अवधि में असाधारण वृद्धि दिखाई है, जो निम्नानुसार है -परिचालन कार्य से आय वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के 8,046.00 लाख रुपए की तुलना में दूसरी तिमाही में 128% से अधिक बढ़कर 18,376.60 लाख रुपए हो गई।-कंपनी के परिचालन लाभ (कर पूर्व लाभ) में लगभग 151% की असाधारण वृद्धि देखने को मिली है, जो वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के 632.16 लाख रूपये की तुलना में दूसरी तिमाही में 1,584.73 लाख रूपये तक पहुंच गया।

कर के बाद का लाभ (PAT) दोगुने से अधिक बढ़कर 1,122.20 लाख रूपये दर्ज किया गया, जो वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के 471.85 लाख रूपये से लगभग 138% अधिक है। -प्रति शेयर आय (EPS): वित्तीय वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (मूल) के लिए 1.56 रूपये तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली अर्धवार्षिक अवधि के लिए 2.21 रूपये रही। **बैलेंस शीट:** 30 सितंबर, 2025 तक कुल संपत्ति 51,232.44 लाख रूपये दर्ज की गई। कंपनी के परिचालन कार्य से जुड़ी प्रमुख विशेषताओं में इस अवधि के दौरान उल्लेखनीय कॉर्पोरेट कार्रवाइयां शामिल हैं, जैसे कि सफल बोनस शेयर इश्यू (अनुपात 3:2), इक्विटी शेयरों का उप-विभाजन और प्रमोटर तथा नॉन-प्रमोटर को प्रेफरेंशियल आवंटन। कंपनी ने अपने रणनीतिक अंतरराष्ट्रीय विस्तार के भाग के रूप में, श्व के रस अल खैमाह इकोनॉमिक ज़ोन में पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, जीएचवी इंफ्रा स्र्ं स्रष्ट को शामिल किया है। यह सहायक कंपनी अभी संचालन प्रारंभ नहीं कर पाई है, हालांकि अक्टूबर तिमाही से इसके पूरी तरह संचालन में आने की उम्मीद है।कंपनी की ऑर्डर बुक में मजबूत वृद्धि देखने को मिली है, जो 30 जून, 2025 को लगभग 3,400 करोड़ से बढ़कर 30 सितंबर, 2025 को लगभग 8,500 करोड़ हो गई। यह उल्लेखनीय वृद्धि तिमाही के दौरान मजबूत प्रोजेक्ट प्रवाह को दर्शाती है और जीएचवी इंफ्रा की स्वस्थ आय दृश्यता और निरंतर क्रियान्वयन क्षमता को सशक्त बनाती है।कंपनी के वित्तीय परिणामों के संबंध में मैनेजिंग डायरेक्टर अजय हंस ने कहा कि 'जीएचवी इंफ्रा ने इस तिमाही में मजबूत वृद्धि दर्ज की है, जिसे समय पर प्रोजेक्ट क्रियान्वयन और विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन से समर्थन मिला है। सफल बोनस इश्यू और मध्य पूर्व में विस्तार, शेयरधारकों के मूल्य में वृद्धि करने और नई संभावनाएं हासिल करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके अलावा, मजबूत ऑर्डर बुक और अनुभवी नेतृत्व के साथ हम विकास की इस गति को बनाए रखने को लेकर आशावादी हैं। खास उल्लेखनीय है कि जीएचवी इंफ्रा भारत और चुनिंदा देशों में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए अपनी क्षेत्रीय विशेषज्ञता का उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। कंपनी अनुपालन सुनिश्चित करने और हितधारकों के प्रतिफल को अधिकतम करने के लिए उद्योग के रुझानों और नियामक विकास पर निरंतर नजर रखती है। जीएचवी इंफ्रा कंपनी के वित्तीय परिणामों की समीक्षा ऑडिट समिति द्वारा की गई है और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा 3 नवंबर, 2025 को हुई बैठक में इसे अनुमोदित किया गया है। वैधानिक ऑडिटरों द्वारा जारी की गई सीमित समीक्षा रिपोर्ट संलग्न

सरकार के विस्तार लक्ष्य पर खतरा

कम कीमतों से जूझ रहा स्टील सेक्टर 150 यूनिट्स ने बंद किया उत्पादन

नई दिल्ली। स्टील सचिव संदीप पौंड्रिक ने कहा कि कि छोटे उद्योगों के लिए स्टील की मौजूदा कीमतें एक बड़ी चुनौती बन गई हैं, खासकर ऐसे समय में जब सरकार अगले पांच से सात वर्षों में इस क्षेत्र की क्षमता बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने बताया कि पांच साल पहले स्टील की कीमतें जरूरत से अधिक थीं, लेकिन आज ये जरूरत से कम स्तर पर हैं, जिससे बाजार में असंतुलन पैदा हो गया है।

स्टील की कम कीमतें छोटी कंपनियों के लिए समस्या बन सकती हैं। इस्पात सचिव संदीप पौंड्रिक ने यह संभावना जताई। उन्होंने कहा कि कम कीमतों के कारण करीब 150 छोटे स्टील उत्पादकों ने उत्पादन बंद कर दिया है। स्टील समिट 2025 को संबोधित करते हुए पौंड्रिक ने बताया कि पांच साल पहले स्टील की कीमतें जरूरत से अधिक थीं, लेकिन आज ये जरूरत से कम स्तर पर हैं, जिससे बाजार में असंतुलन पैदा हो गया है।

कम कीमतें सरकार के क्षमता बढ़ाने के लक्ष्य पर डाल सकती हैं असर

पौंड्रिक ने कहा कि छोटे उद्योगों के लिए मौजूदा कीमतें एक बड़ी चुनौती बन गई हैं, खासकर ऐसे समय में जब सरकार अगले पांच से सात वर्षों में स्टील क्षेत्र की क्षमता बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। आपने अभी सभी कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजे देखे हैं, लगभग सभी के मुनाफे में कमी आई है। लेकिन कीमत एक समस्या है, खासकर तब जब हमें अगले पांच से सात वर्षों में 100 मिलियन टन क्षमता में निवेश करने की जरूरत है।सचिव ने यह भी बताया कि विश्वभर में, विशेषकर चीन में, अधिशेष उत्पादन और उसके परिणामस्वरूप डंपिंग एक वास्तविक समस्या है, न केवल हमारे लिए, बल्कि प्रत्येक देश के लिए। पौंड्रिक ने कहा कि सरकार ने आयातित स्टील पर अस्थायी रूप से सुरक्षा शुल्क लगाया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि घरेलू स्टील उद्योग को किसी समस्या का सामना न करना पड़े। अच्छी खबर यह है कि स्टील की खपत बढ़ रही है, क्षमता बढ़ रही है। बढ़ती खपत को पूरा करने के लिए पिछले 10 वर्षों में नई क्षमताएं विकसित की जा रही हैं।सचिव ने कहा कि देश की दीर्घकालिक आत्मनिर्भरता के लिए स्टील उद्योग को संरक्षित करने की आवश्यकता है। यह एक रणनीतिक क्षेत्र है, इस अर्थ में कि अगर आप आयात पर निर्भर हो जाते हैं, तो आपको भू-राजनीतिक कारणों से समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जैसा कि हम आज विश्व में देख रहे हैं। इस्पात उद्योग पर 3-4 बड़ी कंपनियों के प्रभुत्व की धारणा को खारिज करते हुए पौंड्रिक ने कहा कि भारत में 47 प्रतिशत इस्पात का

सपाट खुला भारतीय शेयर बाजार, निफ्टी 25,750 स्तर से नीचे कर रहा कारोबार

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को सपाट खुला। शुरुआती कारोबार में निफ्टी ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक सेक्टर्स में बिकवाली देखी जा रही थी। वहीं, फार्मा, रियल्टी और मीडिया सेक्टर में खरीदारी दर्ज की गई। सुबह करीब 9 बजकर 34 मिनट पर सेंसेक्स 162.84 अंक या 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 83,815.65 पर कारोबार कर रहा था। वहीं, निफ्टी 58.40 अंक या 0.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,704.95 स्तर पर बना हुआ था।

सत्र की शुरुआत में निफ्टी बैंक 211.15 अंक या 0.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 57,890.30 स्तर पर बना हुआ था। वहीं, निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 23.35 अंक या 0.04 प्रतिशत की गिरावट के बाद 60,264.05 पर कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर, निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 49.05 अंक या 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,464.35 स्तर पर था। चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग की टेक्निकल एंड डेरिवेटिव एनालिस्ट अमृता शिंदे ने कहा कि पिछले सत्र में निफ्टी 50 ने मजबूती का प्रदर्शन किया था। इंडेक्स ने सपाट शुरुआत की लेकिन पूरे सत्र में ऊपर की ओर रुझान बनाए रखा, जो निचले स्तरों पर लगातार खरीदारी की रुचि का संकेत देता है। उन्होंने आगे कहा, आज के लिए, तत्काल रेजिस्टेंस 25,850 पर इसके बाद 25,900 और फिर 26,000 स्तर पर रहेगा। नीचे की ओर, सपोर्ट लेवल 25,650 और 25,600 पर दिखाई दे रहे हैं, जो पोजिशनल ट्रेडर्स के लिए संभावित अक्यूमलेशन ज़ोन के रूप में काम कर सकते हैं। इस बीच सेंसेक्स पैक में भारती एयरटेल, टाइटन, कोटक महिंद्रा बैंक, अदाणी पोर्ट्स टॉप गेनर्स थे।

वहीं, पावरग्रिड, मारुति सुजुकी, इटरनल और इंफोसिस टॉप लूजर्स थे। एशियाई बाजारों में जकार्ता और हांग कांग हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि जापान, चीन और सोल लाल निशान में बने हुए थे। अमेरिकी बाजारों की बात करें तो आखिरी कारोबारी दिन डाउ जोंस 0.48 प्रतिशत या 226.19 अंक की गिरावट के बाद 47,336.68 पर बंद हुआ। वहीं, एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.17 प्रतिशत या 11.77 अंक की तेजी के बाद 6,851.97 स्तर और नैस्डेक 0.46 प्रतिशत या 109.77 अंक की तेजी के बाद 23,834.72 पर बंद हुआ।

खेल, मनोरंजन

महिला विश्व कप 2025: टीम ऑफ द टूर्नामेंट का ऐलान

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने महिला विश्व कप 2025 के लिए टीम ऑफ द टूर्नामेंट की घोषणा कर दी है। इस टीम में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की 3 खिलाड़ी शामिल हैं। ये खिलाड़ी स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिगेज और टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी दीप्ति शर्मा हैं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट को इस स्टार खिलाड़ियों से सजी टीम की कप्तान नियुक्त किया गया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की 3 खिलाड़ियों को भी इस टीम में जगह मिली है।

ऐसी है आईसीसी की टीम ऑफ द टूर्नामेंटः स्मृति मंधाना, लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), जेमिमा रोड्रिगेज, मरिजान कप्प, एश्ले गार्डनर, दीप्ति शर्मा, एनेबेल सदरलैंड, नादिन डी क्लार्क, सिदरा नवाज (विकेटकीपर), अलाना किंग, सोफी एक्लेस्टोन और नैट सिवर-ब्रंट (12वीं खिलाड़ी)। टीम ऑफ द टूर्नामेंट की कप्तान वोल्वार्ड्ट का प्रदर्शन महिला विश्व कप 2025 में शानदार रहा। उन्होंने 71.37 की उम्दा औसत के साथ 571 रन बनाए और एक ही संस्करण में सर्वाधिक रन बनाने का नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। भारत की मंधाना ने भी पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन बल्लेबाजी की और 54.25 की औसत से 434 रन बनाकर टूर्नामेंट की दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं। उनके बल्ले से 1 शतक और 2 अर्धशतक निकले। भारत की ओर से शामिल खिलाड़ियों में जेमिमा और दीप्ति का प्रदर्शन भी प्रभावशाली रहा।

जेमिमा ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 127 रन की पारी खेली और पूरे टूर्नामेंट में 58.40 की औसत से 292 रन बनाए, जिसमें 1 शतक और 1 अर्धशतक शामिल रहा। वहीं, दीप्ति ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने टूर्नामेंट में 215 रन बनाए और 22 विकेट भी अपने नाम किए। फाइनल मैच में इस खिलाड़ी ने अर्धशतक के साथ 5 विकेट भी लिए। ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 82 की औसत से 328 रन बनाए, जिसमें 2 शतक शामिल रहे। इसके साथ ही 7 विकेट भी हासिल किए। एनेबेल सदरलैंड 17 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की सबसे सफल गेंदबाज रहीं, उनकी औसत 15.82 की रही। पाकिस्तान की विकेटकीपर सिदरा नवाज ने टीम के जल्दी बाहर होने के बावजूद टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा शिकार किए। स्टंपिंग-कैच मिलाकर (4 कैच, 4 स्टंपिंग) उन्होंने कुल 8 शिकार किए। इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन को उनके शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए टीम ऑफ द टूर्नामेंट में जगह मिली, जबकि कप्तान नैट साइवर-ब्रंट को 12वीं खिलाड़ी के रूप में शामिल किया गया। सिवर-ब्रंट ने टूर्नामेंट में 262 रन बनाए और 9 विकेट लिए, जिसमें श्रीलंका के खिलाफ 1 शतक भी शामिल था। वहीं, दक्षिण अफ्रीका की मरिजान कप्प को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए इस प्रतिष्ठित टीम में चुना गया। उन्होंने 208 रन बनाए और 12 विकेट अपने नाम किए।

रविचंद्रन अश्विन बिग बैश लीग से हुए बाहर

नईदिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी रविचंद्रन अश्विन का इस संस्करण बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलने का सपना अधूरा रह गया है। अश्विन को घुटने की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा है। सिडनी थंडर ने पुष्टि की है कि चेन्नई में अभ्यास के दौरान उन्हें घुटने में चोट लगी, जिसके बाद उनकी सर्जरी की गई। रिकवरी में लगने वाले समय के कारण वेऑस्ट्रेलिया की इस प्रमुख टी-20 लीग में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

अश्विन ने 27 अगस्त को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास का ऐलान किया था। इसके साथ ही उनके विदेशी लीगों में खेलने का रास्ता खुला था। दरअसल, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के नियमानुसार कोई भी अनुबंधित खिलाड़ी संन्यास लेने तक विदेशी लीग में हिस्सा नहीं ले सकता है। ऐसे में अश्विन आईपीएल से संन्यास लेने के बाद बीसीसीआई के सभी नियमों से मुक्त हो गए थे और विदेशी लीगों में खेलने के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र थे।चोटिल होने के बाद अश्विन ने कहा, फिलहाल मेरा पूरा ध्यान रिकवरी पर है ताकि मैं और मजबूती के साथ वापसी कर सकूं। सिडनी थंडर की टीम और फैंस का मैं दिल से आभारी हूं, जिन्होंने मुझे इतनी गर्मजोशी से अपनाया। पूरी टीम प्रबंधन ने मुझे पहली बातचीत से ही टीम का हिस्सा महसूस कराया। मैं टीम का हर मैच देखूंगा और हमारी महिला व पुरुष दोनों टीमों का हौसला बढ़ाऊंगा।पाकिस्तान के लेग स्पिनर और ऑलराउंडर शादाब खान बीबीएल में सिडनी थंडर की विदेशी खिलाड़ियों की सूची में सबसे बड़ा नाम है। उनके साथ न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन और इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज सैम बिलिंग्स को भी टीम में शामिल किया गया है। फर्ग्यूसन और बिलिंग्स दोनों लगातार दूसरे संस्करण में टीम के लिए खेलते नजर आएंगे, जिससे सिडनी थंडर की टीम को अनुभव और मजबूती मिलेगी।अश्विन ने 333 टी-20 मुकाबले खेले और इसकी 329 पारियों में 26.94 की औसत से 317 विकेट लेने में सफल रहे हैं। उनकी इकॉनमी 7.11 की रही है। उन्होंने 4 बार 4 विकेट हॉल लिए और उनका सर्वश्रेष्ठ

यशस्वी जायसवाल ने राजस्थान के खिलाफ जड़ा शतक

नईदिल्ली। मुंबई क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने राजस्थान क्रिकेट टीम के खिलाफ रणजी ट्रॉफी 2025 के मुकाबले में शानदार शतकीय पारी खेली। ये उनके प्रथम श्रेणी करियर का 17वां शतक रहा। उन्होंने इस पारी के दौरान रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट में अपने 1,000 रन भी पूरे कर लिए। इस मुकाबले की पहली पारी में यशस्वी के बल्ले से अर्धशतक निकला था। ऐसे में आइए उनकी पारी और आंकड़ों पर एक नजर डाल लेते हैं।

राजस्थान ने पहली पारी में 617/6 का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया था। जवाब में मुंबई की पहली पारी 254 रन पर समाप्त हो गई। इसके बाद मुंबई ने अपनी दूसरी पारी में जोरदार शुरुआत की। यशस्वी पहली गेंद से ही आक्रामक लगे। उन्होंने तेजी से रन बनाए। पहले विकेट के लिए इस खिलाड़ी ने मुशीर खान (63) के साथ मिलकर 209 गेंदों में 149 रन की साझेदारी निभाई। पहली पारी में यशस्वी के बल्ले से 67 रन निकले थे। रिपोर्ट के अनुसार, यशस्वी का यह शतक रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए सिर्फ 21 पारियों में 5वां शतक है। उन्होंने 2019 में मुंबई के लिए डेब्यू किया था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज के नाम अब तक कुल 17 प्रथम श्रेणी शतक हैं, जिनमें 7 टेस्ट शतक शामिल हैं। इस पारी की बदौलत यशस्वी ने रणजी ट्रॉफी में 1,000

तमन्ना भाटिया को याद आए मुश्किल दिन, बोलीं- मुझे बताना पड़ा कि मैं मुंबई से हूं

बाहुबली समेत कई दक्षिण भारतीय फिल्में कर चुकीं अभिनेत्री तमन्ना भाटिया बॉलीवुड में अपने पैर जमा चुकी हैं। यही नहीं, उनके आइटम नंबर भी काफी पसंद किये जाते हैं। एक वक्त था, जब तमन्ना को मुंबई की पैदाइश होने के बावजूद, बॉलीवुड में मुश्किल दौर से गुजरना पड़ा। उन्हें शहर के लोगों को यह विश्वास दिलाना पड़ा कि वह असल में वहीं से हैं। अभिनेत्री ने शुरुआती मुश्किल दौर को याद करते हुए ये खुलासा किया है। तमन्ना ने कहा, मैं हिंदी फिल्में देखते हुए बड़ी हुई थी, इसलिए मैं उस संस्कृति को समझती थी। लेकिन हां, शुरुआत में, जब मैंने हिंदी फिल्में करना शुरू किया, तो मेरे लिए वाकई मुश्किलें आईं। उन्होंने आगे कहा, उस समय तक मैं दक्षिण में लगभग 10, 12 साल काम कर चुकी थी। दक्षिण में मेरी इतनी गहरी अपील थी कि मुझे मुंबई में लोगों को बताना पड़ा कि मैं असल में मुंबई से हूं। तमन्ना ने बताया कि उनके लिए बॉलीवुड और साउथ, दोनों फिल्म इंडस्ट्री उनके लिए समान महत्व रखती हैं; एक उनकी कर्मभूमि है और दूसरा उनकी जन्मभूमि। बता दें कि तमन्ना ने साल 2005 में हिंदी फिल्म चांद सा रोशन चेहरा से डेब्यू किया था। 2006 में उन्होंने तमिल फिल्म केडी से साउथ में कदम रखा। अभिनेत्री को हैप्पी डेज और कल्लूरी जैसी फिल्मों से पहचान

तेरे इश्क में का नया गाना उसे कहना हुआ रिलीज, गाने में दिखी धनुष और कृति सेनन की दर्दनाक प्रेम कहानी

कृति सेनन और धनुष ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म तेरे इश्क में का नया गाना उसे कहना लगाया और साथ ही कैप्शन में लिखा, उसे केहना जो आंखें बोल गई, पर दिल नहीं कह सका.. उसे कहना अभी रिलीज हो चुका है।

तेरे इश्क में इस साल 28 नवंबर को हिंदी, तमिल और तेलुगु में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस गाने की शुरुआत धनुष के सवाल से होती है कि क्या कृति कभी उनसे प्यार करती थी और कृति भावुक होकर रो पड़ती है। इस फिल्म में धनुष ने शंकर नाम के आशिक का किरदार निभाया है और कृति ने मुक्ति का रोल अदा किया है। उसे कहना गाने को नितेश अहेर और जोनिता गांधी ने गाया है। इरशाद कामिल इस गाने के बोल लिखे हैं और एआर रहमान ने संगीत दिया है।

मध्यप्रदेश पुलिस की नशे के विरुद्ध सख्त कार्यवाही

अवैध गांजा खेती से लेकर कफ सिरप तस्करी तक – प्रदेशभर में पुलिस का प्रहार जारी

भोपाल/नवप्रदेश। प्रदेश में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही हैं। पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा के निर्देशन में चलाए जा रहे ÷नशा मुक्त मध्यप्रदेश÷ अभियान के अंतर्गत पुलिस बल ने नशे के अवैध कारोबार, खेती और तस्करी पर निर्णायक प्रहार किया है। हाल ही में खरगोन और सतना जिलों में हुई सफल कार्रवाइयाँ इस बात का प्रमाण हैं कि राज्य पुलिस नशे के अवैध व्यापार के विरुद्ध अपनी 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर दृढ़तापूर्वक अमल कर रही है।

मैहर — रेत के ढेर में छिपाई थी नशीली कफ सिरप, पुलिस ने बरामद की 286 शीशियाँ

रीवा जोन के पुलिस महानिरीक्षक श्री गौरव राजपूत के नेतृत्व में चल रहे ÷ऑपरेशन प्रहार 2.0÷ के तहत थाना ताला पुलिस ने नशे के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम सनेही निवासी नंदकिशोर उर्फ छोटेभैया पटेल को गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने आरोपी के घर के बाहर रेत के ढेर में छिपाई गई 286 शीशियाँ अवैध कफ सिरप (अनुमानित कीमत ?57,629/-) बरामद कीं।आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

खरगोन — खेत में उगा रहा था गांजा, पुलिस ने जप्त किए 113 किलो गांजा के पौधे

इंदौर जोन इंदौर (ग्रामीण) के पुलिस महानिरीक्षक श्री अनुराग एवं निमाड़ रेंज खरगोन के उप पुलिस महानिरीक्षक श्री सिद्धार्थ बहुगुणा के निर्देशन में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना मण्डलेश्वर पुलिस टीम ने एक बड़ी सफलता प्राप्त की है। मुखबिर से प्राप्त सूचना पर ग्राम भकलाया निवासी परसराम पिता रघुराम डावर के खेत में दबिश दी गई। जांच के दौरान कपास की फसल के बीच छिपाकर अवैध रूप से उगाए गए 180 गांजे के पौधे पाए गए, जिनका कुल वजन लगभग 113 किलोग्राम निकला। जप्त गांजे की अनुमानित कीमत 5 लाख 65 हजार रुपये आँकी गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री रविन्द्र वर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्रीमति शकुन्तला रुहल के नेतृत्व में की गई। नशे के अवैध कारोबार, परिवहन, भंडारण और बिक्री के विरुद्ध चल रहे अभियान में प्रत्येक पुलिस यूनिट सक्रिय रूप से भाग ले रही है। जिला पुलिस बलों द्वारा निरंतर जाप्तियाँ, गिरफ्तारियाँ एवं कानूनी कार्यवाहियाँ यह दर्शाती हैं कि मध?यप्रदेश पुलिस समाज को मादक द्रव्यों की बुराई से मुक्त करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। ÷ऑपरेशन प्रहार÷ के माध्यम से पुलिस न केवल मादक पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला को ध्वस्त कर रही है, बल्कि युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए जनजागरण और सामुदायिक सहभागिता भी बढ़ा रही है।

न्यूज गैलरी

हब फॉर इम्पावरमेट ऑफ़ वुमन जागरूकता अभियान अंतर्गत किया विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन

राजगढ़ /नवप्रदेश। महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री श्याम बाबू खरे के निर्देशन में हब फॉर इम्पावरमेट ऑफ़ वुमन जागरूकता अभियान अंतर्गत विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। वन स्टॉप सेंटर प्रशासक श्रीमति रश्मि चौहान द्वारा बालिकाओं के साथ बाल विवाह रोकथाम विषय पर चर्चा की गई। बालिकाओं को समझाया गया कि वह देश का आने वाला भविष्य है उन्हें शारीरिक मानसिक बौद्धिक रूप से मज़बूत होना होगा। उन्हें अपने ख़ान पान पोषण एवं स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना होगा, क्योंकि वर्तमान समय में बालिकाओं हेतु शिक्षा स्वास्थ एवं रोज़गार के क्षेत्र मे बहुत अधिक अवसर उपलब्ध हैं। बालिका यदि चाहे तो अपने आपको मिल का पत्थर बना सकती है। बालिकाओं को अपने प्रति सत्तर्क एवं सुरक्षित रहना होगा। तभी वह अपने आप को श्रेष्ठ साबित कर पाएगी। साथ ही बालिकाओं को समझाया गया कि उनके साथ यदि कुछ भी ग़लत हो रहा हो तो वह अपने माता पिता एवं शिक्षक को बता सकती है। वन स्टॉप सेंटर सखी भी आपका सम्मान घर है आप हमें सभी समस्या बता सकते है। बच्चो के लिए पॉक्सो अधिनियम 2012 यह क़ानून बच्चों के सर्वोत्तम हित और सुरक्षा हेतु काम करता है। यह क़ानून 18 वर्ष कम उम्र के बच्चों को हर प्रकार के यौन शोषण, यौन हिंसा से संरक्षण प्रदान करता है। बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के अंतर्गत लड़कों की न्यूनतम विवाह आयु 21 वर्ष एवं लड़कियों की 18 वर्ष निर्धारित की गई है। अधिनियम के अनुसार बाल विवाह कराना, करना या उसमें सहयोग करना एक दंडनीय अपराध है। जिसके लिए कारावास एवं जुर्माने का प्रावधान है। बाल विवाह से उत्पन्न सामाजिक, मानसिक एवं शारीरिक दुष्परिणामों पर भी चर्चा की गई, तथा बाल विवाह को रोकने में समाज की सामूहिक जिम्मेदारी पर बल दिया गया। वन स्टॉप सेंटर केस वर्कर श्रीमती स्मिता शुक्ला द्वारा बालिकाओं को मानसिक स्वास्थ्य स्वास्थ्य विषय पर चर्चा की गई। साथ ही बालिकाओं की शारीरिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए योगा , फिजिकल एक्टिविटी भी करवाई गई। बालिकाओं को साइबर सुरक्षा इंटरनेट और सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग से साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, और डिजिटल साक्षरता के बारे में परामर्शदाता श्रीमती कविता वर्मा द्वारा बताया गया। कार्यक्रम में स्कूल की 80 बालिकाए, शिक्षकगण और वन स्टॉप सेंटर का समस्त स्टाफ उपस्थित था।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने किया ग्यारसपुर भंडारण केंद्र का निरीक्षण

किसानों को नई ई-टोकन व्यवस्था के बारे में दी जानकारी, खाद वितरण की पारदर्शिता पर दिया जोर

विदिशा/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने गत दिवस ग्यारसपुर स्थित खाद भंडारण केंद्र का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का विस्तृत अवलोकन किया। उन्होंने भंडारण केंद्र पर खाद वितरण की प्रक्रिया, स्टॉक की स्थिति तथा किसानों की सुविधा संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता ने पोस मशीन के माध्यम से किसानों को दी जा रही खाद वितरण प्रणाली का प्रत्यक्ष रूप से निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि खाद वितरण की पारदर्शी और तकनीकी व्यवस्था किसानों को राहत देने में सहायक होगी। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी किसान को केंद्र पर अधिक समय तक प्रतीक्षा न करनी पड़े।

कलेक्टर ने किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। इस अवसर पर उन्होंने ई-टोकन प्रणाली की नई व्यवस्था के बारे में किसानों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि ई-टोकन व्यवस्था से खाद वितरण और अधिक पारदर्शी तथा सुव्यवस्थित होगा। किसानों को अब अपने निर्धारित समय पर बिना भीड़ के खाद प्राप्त होगी।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गोदाम प्रभारी से भंडारण की स्थिति की जानकारी ली, जहां पर्याप्त मात्रा में खाद का भंडारण पाया गया। उन्होंने स्टॉक रजिस्टर, वितरण रजिस्टर तथा संबंधित अभिलेखों का भी अवलोकन किया।

गोदाम प्रभारी ने बताया कि, केंद्र पर खाद की पर्याप्त आपूर्ति उपलब्ध है और वितरण की प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित की जा रही है। नई ई-टोकन प्रणाली से किसानों को बड़ी सुविधा मिल रही है।

अंत में कलेक्टर श्री गुप्ता ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक किसान को आवश्यक खाद समय पर और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध हो। अधिकारी एवं कर्मचारी इस कार्य में पूर्ण निष्ठा के साथ जुटें। निरीक्षण भ्रमण के दौरान स्थानीय एसडीएम श्रीमती शशि मिश्रा के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी साथ मौजूद रहे।

8-9 को पचमढ़ी में रहेंगे राहुल गांधी: ट्रेनिंग में जिलाध्यक्षों से कहा- बीजेपी वाले फुटबॉल की पिच पर क्रिकेटर को हराते हैं

भोपाल/नवप्रदेश। पचमढ़ी के होटल हाईलैंड में 2 नवंबर से एमपी कांग्रेस के जिला अध्यक्षों की ट्रेनिंग चल रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इस ट्रेनिंग में शामिल होने 8 नवंबर को पचमढ़ी पहुंचेंगे। राहुल 8 और 9 नवंबर को पचमढ़ी के ट्रेनिंग कैंप में शामिल रहेंगे। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने राहुल गांधी के संभावित दौरे की जानकारी मिलने की पुष्टि की है। 2 नवंबर को प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन कांग्रेस ट्रेनिंग डिपार्टमेंट के नेशनल इंचार्ज और CWC मेंबर सचिन राव ने किया। इस दौरान पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार मुख्य रूप से मौजूद थे।

सचिन राव ने बताया ट्रेनिंग का महत्व

प्रशिक्षण के पहले दिन सचिन राव ने बताया कांग्रेस क्या है? कांग्रेस की विचारधारा, पार्टी और विचारधारा में क्या अंतर है? एक कार्यकर्ता होना, राजनीति क्या है, जनता क्या है? इन सारे विषयों पर जानकारी दी। सचिन राव ने कहा कांग्रेस की विचारधारा के बिना संविधान और देश नहीं चल सकता। आप सत्ता में बैठ सकते लेकिन, जनता की मूल भावना संविधान की मूल भावना का समावेश हो। विकास में अशांति, बंधुत्व भाईचारा न हो तो वह कैसा विकास ? सचिन राव ने जिला अध्यक्षों को बताया कि आप पॉलिटिक्स में क्यों और कैसे आए क्या पाया खोया? खुद का आकलन कैसे कर पा रहे, जिस उद्देश्य से आए उसमें क्या अचीव किया, बाधाएं क्या हैं?

महात्मा गांधी के कपड़े दान करने वाली घटना सुनाई

सचिन राव ने महात्मा गांधी द्वारा अपने कपड़े छोड़ने वाली घटना सुनाई। उन्होंने बताया कि गांधी जी ने अपने कपड़े एक महिला को दिए थे उसके बाद उनकी क्या सोच थी? गांधी जी जब अफ्रीका से आए थे तो गोखले जी ने देश भ्रमण की बात की थी उस वक्त लंबी दूरी की ट्रेन नदी, तालाब पर रूकती थीं उस दौरान यात्री नहा, धो लेते थे। गांधी जी ने देखा एक महिला आधे कपड़ों में थी तो उन्होंने आधे कपड़े दे दिए थे। उसके बाद उन्होंने आधे वस्त्रों में ही पूरा जीवन गुजारा।

बापू ने नमक आंदोलन को स्वतंत्रता से जोड़ा

गांधी की कहानी बताते हुए सचिन राव ने कहा बापू ने नमक आंदोलन को स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ा। जब संचार व्यवस्था और फंड नहीं तब एक एक आदमी के कहने पर लाखों लोग आ रहे थे। गांधी को जेल में डाल दिया, जनता स?क पर उतरी, लेकिन रिएक्ट नहीं किया। 1931 में अंग्रेज थक गए तो अंग्रेजों ने ड्राफ्ट में लिखा था कि अब भारत गुलाम नहीं रहा। किसी ने मन से यह स्वीकार कर लिया हम आपकी दास्ता को स्वीकार नहीं करेंगे। हृदय परिवर्तन की बात कही कि जब अंग्रेज थक गए जब मार खाई ये मारने पर उतर आते तो हमारा क्या होता। उसके बाद से ही हमारी क्रांति की शुरुआत हुई।

जिला अध्यक्षों से कहा- कार्यकर्ता तनख्वाह नहीं लेता, उससे सीधे जुड़ें

सचिन राव ने जिला अध्यक्षों से पूछा कि वर्तमान परिदृश्य में खुद को कितना सफल मानते हैं? आप लोगों से कितने जुड़े हैं। आप चूल्हा चौका तक जा पाते हैं। संगठन बनाया तो चर्चा कर पाते हैं या नहीं? नीचे तक जाते हैं तो जनता के बीच में कार्यकर्ताओं का सोच क्या है? सचिन राव ने कहा- कार्यकर्ता किसी का गुलाम नहीं होता। वर्कर तनख्वाह या सर्टिफिकेट वाला नहीं होता। वो विचारधारा से जुड़ा होता है। हमारे पास 40 प्रतिशत वोटर हैं। आर्थिक संसाधनों की बात करें तो हमारे पास सिर्फ 10 प्रतिशत संसाधन हैं। अब हमारी जिम्मेदारी है कि संगठन सृजन की चर्चा करें कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करें और संगठन सृजन अभियान के महत्व को बताएं। सत्ता की समय सीमा होती है। अगर उन मूल विषयों पर चर्चा नहीं की तो ये

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों के विरूद्ध होगी दंडात्मक कार्रवाई

पुलिस आयुक्त ने जारी किए प्रतिबंधात्मक आदेश

भोपाल/नवप्रदेश। पुलिस आयुक्त भोपाल श्री हरिनारायणचारी मिश्र ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों के विरूद्ध एवं भोपाल में जन सुरक्षा तथा लोक परिशांति बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश अनुसार कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, हाईक, एस.एम.एस. टेलीग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया साइट आदि का दुरुपयोग कर धार्मिक, सामाजिक, जातिगत भावनाओं एवं विद्वेष को भड़काने के लिए किसी भी प्रकार के संदेशों का प्रसारण नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म पर किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक एवं उन्माद फैलाने वाले संदेश, फोटो, वीडियो, ऑडियो इत्यादि, जिससे धार्मिक, सामाजिक, जातिगत आदि भावनाएं भड़क सकती हैं या सांप्रदायिक विद्वेष पैदा हो सकता है, उन्हें प्रसारित नहीं करेगा। सोशल मीडिया के किसी भी पोस्ट, जिसमें धार्मिक, सांप्रदायिक एवं जातिगत भावना भड़कती हो, को कमेंट, लाइक, शेयर या फॉरवर्ड नहीं करेगा। ग्रुप एडमिन की यह व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी कि वह ग्रुप में इस प्रकार के संदेशों को रोके। कोई भी व्यक्ति सामुदायिक, धार्मिक, जातिगत विद्वेष फैलाने या लोगों अथवा समुदाय के मध्य घृणा, वैमनस्यता पैदा करने या दुष्प्रेरित करने या उकसाने या हिंसा फैलाने का प्रयास उपरोक्त माध्यमों से नहीं करेगा और न ही इसके लिए किसी को प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति अफवाह या तथ्यों को तोड़-मरोड़कर, भड़काकर उन्माद उत्पन्न करने वाले संदेश, जिससे लोग या समुदाय विशेष, हिंसा या गैर कानूनी गतिविधियों में शामिल हो जाएं, को प्रसारित नहीं करेगा और न ही लाइक, शेयर या फारवर्ड करेगा और न ही ऐसा करने के लिए किसी को प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति, समुदाय ऐसे संदेशों को प्रसारित नहीं करेगा, जिसमें किसी व्यक्ति, संगठन, समुदाय आदि को एक स्थान पर एक राय होकर जमा होने और उनसे कोई गैरकानूनी गतिविधियां करने के लिए आव्हान किया गया हो, जिससे कानून एवं शांति व्यवस्था भंग होने की प्रबल संभावना विद्यमान हो। भोपाल शहर की सीमा में किसी भी साइबर कैफे के स्वामी

मंडी शुल्क अपवंचन एवं फर्जी दस्तावेजों के आधार पर परिवहन के प्रकरणों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड द्वारा मंडी शुल्क अपवंचन एवं फर्जी दस्तावेजों के आधार पर परिवहन के प्रकरणों पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड के संज्ञान में यह तथ्य आए हैं कि कुछ व्यापारियों एवं परिवहनकर्ताओं द्वारा अधिसूचित कृषि उपज, मूंगफली का अवैध परिवहन किया जाकर उक्त उपज पर देय मंडी शुल्क का अपवंचन किया जा रहा है। कूटरचना कर फर्जी दस्तावेज जिसमें बिल, बिल्टी, अनुज्ञापत्र के माध्यम से कृषि उपज का अवैध परिवहन किया जा रहा है तथा राजस्व की चोरी की जा रही है। ग्वालियर-चंबल, सागर, जबलपुर संभाग से ऐसे अनेक प्रकरणों की जानकारी प्राप्त हुई है, जिनमें बिना मंडी शुल्क जमा किए फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से कृषि उपज का परिवहन किया गया है। मंडी समितियों एवं आंचलिक कार्यालयों के उड़नदस्ता दलों द्वारा निरीक्षण के दौरान ऐसे प्रकरणों का खुलासा हुआ है। इस विषय पर प्रबंध संचालक श्री कुमार पुरुषोत्तम द्वारा सभी आंचलिक संयुक्त संचालकों से विस्तृत चर्चा की गई तथा यह स्पष्ट किया गया कि जिन मामलों में संबंधित व्यक्तियों द्वारा जानबूझकर कूटरचित कर मंडी दस्तावेजों में हेराफेरी की गई है तथा मंडी समिति को आर्थिक क्षति पहुँचाई गई है, ऐसे मामलों में केवल प्रशमन शुल्क लेकर कार्रवाई समाप्त करना पर्याप्त नहीं है। ऐसे मामलों में मंडी बोर्ड द्वारा सभी आंचलिक अधिकारियों तथा मंडी सचिवों को निर्देश दिये गये है कि इस तरह के मामलों में कार्यवाही करें। कृषि उपज के परिवहन के दौरान अनुज्ञापत्र के क्यूआर कोड को स्कैन कर उसकी प्रमाणिकता की जांच की जाए। फर्जी या कूटरचित अनुज्ञापत्रों के मामलों में धारा 53 के अंतर्गत प्रशमन न किया जाए, बल्कि वैधानिक दंडात्मक कार्रवाई की जाए। संबंधित कृषि उपज को अभिग्रहीत कर मंडी अधिनियम की धारा 23 के तहत कार्यवाही

लम्पी वायरस से बचाव के लिए पशुओं का कराएं टीकाकरण

बीमार पशुओं को अलग रखें, कराएं उपचार

लम्पी स्किन डिसीज़ से बचाव एवं रोकथाम के लिए पशुपालन विभाग ने जारी की एडवाइजरी

भोपाल/नवप्रदेश। प्रदेश के झाबुआ, रतलाम, बैतूल, बड़वानी, सिवनी, सागर एवं भोपाल जिलों से पशुओं में लम्पी स्किन डिसीज़ की जानकारी मिली है। इस संबंध में पशुपालन विभाग द्वारा लम्पी वायरस से बचाव एवं रोगग्रस्त पशुओं के उपचार के संबंध में एडवाइजरी जारी की है। संचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ. पी. एस. पटेल ने बताया कि इस रोग से बचाव के लिए पशुओं को प्रतिबंधात्मक टीका अवश्य लगवाएं। पशुपालक अपने पशुओं में लम्पी स्किन डिसीज के लक्षण दिखाई देने पर निकटतम पशु औषधालय/पशु चिकित्सालय से तत्काल संपर्क कर बीमार पशुओं का उपचार कराएं। स्वस्थ पशुओं को बीमार पशुओं से अलग रखें। स्वस्थ पशुओं का

टीकाकरण कराएं। पशु रखने के स्थान की सफाई रखें एवं पशुओं के शरीर पर परजीवी जैसे किल्ली, मक्खी, मच्छर आदि को नियंत्रित करने के उपाय करें। डॉ. पटेल ने बताया कि पशुपालन विभाग द्वारा लम्पी वायरस की चुनौती से निपटने के लिए हर संभव उपाय किए जा रहे हैं। संक्रमण से बचाव के लिए टीकों की पर्याप्त व्यवस्था की गई है, मुफ्त टीकाकरण किया जा रहा है एवं पशु पालकों को रोग से बचाव के संबंध में आवश्यक परामर्श दिया जा रहा है। प्रदेश में पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा माह अप्रेल 2025 से कुल 41.5 लाख पशुओं को एल.एस.डी. रोग प्रतिबंधात्मक टीका लगवाया जा चुका है। मुफ्त टीकाकरण कार्य निरंतर जारी है।

लम्पी पशुओं में होने वाली एक वायरस जनित बीमारी है, जो कि संक्रामक होती है। यह बीमारी मुख्यतः गो-वंशीय पशुओं में वर्षा के दिनों में फैलती है। इस रोग की शुरूआत में हल्का बुखार दो से तीन दिन के लिये रहता है, उसके बाद पूरे शरीर की चम?ी में गठानें निकल आती हैं। ये गठानें गोल उभरी हुई आकृति की होती हैं। इस बीमारी के लक्षण मुंह, गले, श्वास नली तक फैल जाते हैं, साथ ही पैरो में सूजन, दुग्ध उत्पादकता में कमी, गर्भपात, बांझपन और कभी -कभी मृत्यु भी हो जाती है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित एवं फ्लैट नंबर 402 , कौशल्या विहार , नेपियर टाउन , 482001 से प्रकाशित, मो. 6262188999 (न्याय क्षेत्र जबलपुर) ।